

दिल्ली राजपत्र Delhi Gazette



असाधारण
EXTRAORDINARY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 113]
No. 113]

दिल्ली, बुधस्वतिवार, जुलाई 7, 2011/आषाढ 16, 1933
DELHI, THURSDAY, JULY 7, 2011/ASADHA 16, 1933

[रा.रा.क्षे.दि. सं. 86
[N.C.T.D. No. 86

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र, दिल्ली सरकार
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

राजस्व विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 7 जुलाई, 2011

फा. सं. 1(136)/पंजी. शाखा/मुख्या/मंडली. आयु./
2011/14243.— दी कोर्ट फीस (दिल्ली संशोधन) अधिनियम,
2010 (2011 का दिल्ली अधिनियम 01) की धारा 1 की उप-धारा
(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली के उपराज्यपाल नियत करते हैं कि यह अधिनियम दिल्ली
राजपत्र में इसकी अधिसूचना की तारीख से लागू होगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,

धर्मेन्द्र, सचिव

REVENUE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Delhi, the 7th July, 2011

No. F. 1(136)/Regn.Br./HQ/Div.Com./2011/
14243.—In exercise of the powers conferred by
sub-section (3) of Section 1 of the Court-Fees (Delhi
Amendment) Act, 2010 (Delhi Act 01 of 2011), the
Lieutenant Governor of the National Capital Territory of

Delhi, hereby, orders that this Act shall come into force
from the date of publication of this notification in Delhi
Gazette.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of
the National Capital Territory of Delhi,

DHARMENDRA, Secy.

शहरी विकास विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 7 जुलाई, 2011.

फा. सं. 39(7)/यूडी/डीयूएसआईबी/2011/6921.—
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल, मलिन बस्ती
(सुधार व सफाई) अधिनियम, 1956 (1956 का 96) की धारा 2 के
खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री सिद्धार्थ शर्मा
को उक्त अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत उल्लेखित शक्तियों के
प्रयोग तथा कार्यों के निष्पादन हेतु, सक्षम प्राधिकारी के रूप में
नियुक्त करते हैं। वह दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड में इस पद पर
बने रहने तक कार्य करते रहेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,
आर. के. श्रीवास्तव, सचिव

DEPARTMENT OF URBAN DEVELOPMENT

NOTIFICATION

Delhi, the 7th July, 2011

F. No. 39(7)/UD/DUSIB/2011/6921.—In exercise of the powers conferred on him by clause (c) of Section 2 of The Slum Areas (Improvement and Clearance) Act, 1956 (96 of 1956), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi is pleased to appoint Shri Sidharth Sharma as the Competent Authority to exercise the powers and discharge of the functions under the provisions of the said Act, until the day he is entrusted at this post in the Delhi Urban Shelter Improvement Board.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi,

R. K. SRIVASTAVA, Secy.

दिल्ली उच्च न्यायालय : नई दिल्ली

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 2011

सं. 315/नियम/दि.उ.न्या.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 235, पंजाब न्यायालय अधिनियम, 1918 की धारा 47 एवं इस निमित्त समर्थ करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय, दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा के सदस्यों के अवकाश के विषय में एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाता है :—

दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा (अवकाश) नियम, 2010

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त शीर्षक.—ये नियम दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा (अवकाश) नियम, 2010 कहलाए जाएंगे।

2. प्रारंभ.—ये नियम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा अधिसूचित किए जाने की तिथि से प्रवृत्त होंगे।

3. उपयोजन का विस्तार.—ये नियम दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारियों पर लागू होंगे।

4. परिभाषाएँ.—जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) "लेखा अधिकारी" का अर्थ वह अधिकारी है, उसका शासकीय पदनाम जो भी हो, जिसके जिला में सेवा के सदस्य का कार्यालय स्थित है।

(ख) "प्रशासक" का अर्थ भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के लिए नियुक्त किया गया प्रशासक है।

(ग) "अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी" का अर्थ इन नियमों की प्रथम अनुसूची के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी है जो कथित अनुसूची के स्तंभ (2) में

तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट किए गए अवकाश को प्रदान करने हेतु सक्षम है।

(घ) सेवा के किसी सदस्य के सम्बन्ध में "सेवानिवृत्ति की तिथि" अथवा "उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि" का अर्थ उस मास के अंतिम दिन का अपराह्न होता है जिसमें सेवा का सदस्य उस आयु को प्राप्त कर लेता है जो उसकी सेवा को प्रबंधित करने वाले नियम और शर्तों के अधीन सेवानिवृत्ति हेतु विहित की गई है।

(च) "जिला न्यायाधीश" का अर्थ संबंधित जिला का वह जिला न्यायाधीश होता है जिस के जिला में सेवा का सदस्य नियुक्त है।

(छ) "कार्यकाल" का अर्थ सेवा के सदस्य के रूप में कार्य से है और उसके अंतर्गत है :—

(i) परिवीक्षाधीन की हैसियत से सेवा।

(ii) उस प्रकार के अन्य कालावधि जिन्हें उच्च न्यायालय साधारण अथवा विशेष आदेश द्वारा कार्यकाल घोषित करे।

(ज) "फार्म" का अर्थ वह फार्म होता है जिसका संलग्न इस नियमों की द्वितीय अनुसूची में किया गया है।

(झ) "सरकार" का अर्थ है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।

(ट) "उच्च न्यायालय" का अर्थ है दिल्ली उच्च न्यायालय।

(ठ) "अवकाश" का अर्थ है एवं उसके अंतर्गत है उपाजित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, परिवर्तित अवकाश, अदेय अवकाश, असाधारण अवकाश, अध्ययन अवकाश, विशेष अशक्तता अवकाश, प्रसूति अवकाश, पितृत्व अवकाश, विशेष आकस्मिक अवकाश, विशेष मर्ज अवकाश, शिशु देखभाल अवकाश अथवा अन्य प्राधिकृत अनुपस्थिति अवकाश।

(ड) "अवकाश वेतन" का अर्थ वह मासिक रकम है जो सेवा के सदस्य को इन नियमों के अधीन अवकाश प्रदान किए जाने पर अनुज्ञेय होती है।

(ध) "सेवा के सदस्य" का अर्थ वह व्यक्ति है जिसकी सेवा में नियुक्ति दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा नियम, 1970 के उपबन्धों के अधीन हुई हो।

(ण) "मास" का अर्थ कलेण्डर मास है।

(त) "सेवा" का अर्थ दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा है जिसकी स्थापना दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा नियम, 1970 की धारा 3 के अधीन हुई।

(थ) इसमें जो शब्द एवं पद प्रयोग किए गए हैं और परिभाषित नहीं किए गए हैं लेकिन उनकी परिभाषा मूल और अनुपूरक नियम में की गई है, उन्हें उसी अर्थ में लिया जाएगा जो उन्हें मूल और अनुपूरक नियम में यथास्थिति समनुदेशित किया गया है।

अध्याय II साधारण शर्तें

5. अवकाश का अधिकार.—(1) अधिकार के तौर पर अवकाश का दावा नहीं किया जा सकता।

(2) सेवा की अत्यावश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी प्रकार का अवकाश अग्रहीत अथवा प्रतिबंधित किया जा सकता है परन्तु यह उस प्राधिकारी के अधिकार में नहीं होगा कि वह देय प्रकार के एवं आवेदन दिए गए अवकाश को परिवर्तित कर सके अतिरिक्त उस दशा के जब सेवा का सदस्य उस हेतु लिखित रूप में अनुरोध करे।

6. अवकाश के दावा का विनियमन.—सेवा के सदस्य का अवकाश का दावा, अवकाश हेतु आवेदन पत्र देने और प्रदान किए जाने वाले समय प्रवृत्त नियम के अनुसार विनियमित होता है।

7. प्रत्यय अवकाश पर पदच्युति, अपसारण अथवा त्यागपत्र का प्रभाव.—(1) अतिरिक्त उससे जिसका प्रबन्ध नियम 56 और इस नियम में किया गया है, सेवा के किसी वैसे सदस्य के प्रत्यय अवकाश का दावा जो कि पदच्युत, अपसारित कर दिया जाए अथवा वह सरकारी सेवा को त्यागे, उसी दिन से समाप्त हो जाता है जब ऐसी पदच्युति, अपसारण अथवा त्याग दिया हो।

(2) जहाँ सेवा का कोई सदस्य भारत सरकार अथवा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अधीन परन्तु अपने मूल विभाग के बाहर किसी अन्य पद के लिए आवेदन देता है और अगर ऐसा आवेदन पत्र उपयुक्त प्रणाली द्वारा अप्रेषित किया जाता है और आवेदक से अपेक्षा की गई है कि वह नया पद ग्रहण करने से पहले अपने पुराने पद को त्यागे तो ऐसा त्यागपत्र उसके प्रत्यय अवकाश को समाप्त नहीं कर सकता।

(3) सेवा का एक सदस्य जो सेवा से पदच्युत अथवा अपसारित कर दिया जाता है तथा अपील अथवा पुनरीक्षण पर यथापूर्वित किया जाता है पदच्युति अथवा अपसारण से पूर्व की अपनी सेवा को अवकाश हेतु प्रस्थिति के अनुसार गिने का हकदार होगा।

(4) सेवा का एक सदस्य जो प्रतिकर अथवा अबिधिमान्य पेन्शन अथवा उपदान पर सेवानिवृत्त हो चुका हो और उसे पुनः रोजगार दिया जा रहा हो और उसे पेन्शन हेतु अपने भूतपूर्व सेवा को गिने की अनुमति दी गई हो इसका हकदार होगा कि अपनी पूर्वत सेवा को अवकाश हेतु गिने।

8. एक प्रकार के अवकाश का दूसरे में रूपांतरण.—

(1) सेवा के किसी सदस्य के अनुरोध करने पर वह प्राधिकारी जिसने उसे अवकाश प्रदान किया हो भूतलक्षी रूप से उसे किसी भिन्न प्रकार के अवकाश में रूपांतरित कर सकता है जो अवकाश प्रदान किए जाते समय उसे देय एवं ग्राह्य हो परन्तु सेवा का सदस्य ऐसे रूपांतरण का दावा एक अधिकार के रूप में नहीं कर सकता:—

परन्तु ऐसे किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि यह वैसे प्राधिकारी अथवा किसी अन्य प्राधिकारी जो इस निमित्त नामनिर्दिष्ट किया गया हो, सेवा के संप्रकृत सदस्य द्वारा अवकाश

के सुसंगत दौर जिसका उपभोग उसने किया हो के अवसान के पश्चात् अपने पद ग्रहण करने के बाद तीस दिनों की कालावधि में नहीं पहुँचे।

(2) एक प्रकार के अवकाश का दूसरे में रूपांतरण सेवा के सदस्य को अंतिम रूप से प्रदानित अवकाश के आधार पर अवकाश वेतन के समायोजन के अध्यधीन रहेगा। इसका तात्पर्य यह है कि कोई रकम अधिक्य उसे मिली हो तो वापस करा ली जाएगी अथवा कोई बकाया उसे शोध्य हो तो चुका दिया जाएगा।

टिप्पण :—चिकित्सीय प्रमाण-पत्र पर अथवा अन्यथा प्रदानित असामान्य अवकाश नियम 27 के उपबन्धों के अध्यधीन रहते हुए भूतलक्षी रूप से अदेय अवकाश में रूपांतरित किया जा सकता है।

9. भिन्न प्रकार के अवकाश का संयोजन.—अतिरिक्त उस से जिसका इन नियमों में अन्यथा प्रावधान पाया जाता है, इन नियमों के अधीन किसी प्रकार का अवकाश किसी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित अथवा अन्य प्रकार के अवकाश की अनुवर्ती में प्रदान किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण.—आकस्मिक अवकाश जिसे इन नियमों के अधीन अवकाश के तौर पर मान्यता प्राप्त नहीं है, इन नियमों के अधीन ग्राह्य किसी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित नहीं किया जाएगा।

तथापि, यह कुछ दशाओं में सम्भव हो सकता है कि एक अधिकारी अपने प्रत्यय केवल आधे दिन का आकस्मिक अवकाश रखता हो और वह कथित आकस्मिक अवकाश का उपभोग अपराह्न में करे और अगले कार्य दिवस अप्रत्याशित बीमारी अथवा किसी अन्य बाध्य के कारण अपने कार्य संचालने योग्य न रहे और इस प्रकार उस दिन अवकाश लेने पर मजबूर हो जाए, किसी ऐसी परिस्थिति में वह सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होगा कि अपने अर्ध दिवसीय आकस्मिक अवकाश को नियमित अवकाश के साथ संयोजित कर सके यदि अगले कार्य दिवस को उसकी अनुपस्थिति बीमारी अथवा अन्य बाध्यता के कारण रही हो तथापि वह अधिकारी जो पश्चात्पूर्व कार्य दिवस एवं तत्पश्चात् की अपनी अनुपस्थिति के आवरण हेतु प्रत्यय एवं ग्राह्य प्रकार के अवकाश का आवेदन पहले ही दे चुके हों, वह अपराह्न हेतु अंतिम अर्ध दिवसीय आकस्मिक अवकाश के अनुज्ञात नहीं होंगे।

10. निरंतर अवकाश की अधिकतम मात्रा.—(क) सेवा का कोई सदस्य किसी ऐसे प्रकार की छुट्टी प्रदान नहीं किया जाएगा जो निरंतर पाँच वर्षों की कालावधि से अधिक हो।

(ख) जब तक कि उच्च न्यायालय दशा की विशेष परिस्थितियों के अवलोकन में अन्यतः अवधारण करे, सेवा का एक सदस्य जो अपने कार्य से पाँच वर्षों से अधिक निरंतर कालावधि के लिए अनुपस्थित रहे चाहे उसने छुट्टी ली हो या नहीं ली हो, वह अपने सेवा को त्याग देना माना जाएगा।

टिप्पण.—परन्तु सेवा के सदस्य को उप-नियम (ख) के निबंधों के अवलंब लेने से पहले, एक युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा कि वह अपनी अनुपस्थिति के कारण को स्पष्ट करे।

11. अवकाश पर रहते हुए सेवा अथवा रोजगार का प्रतिग्रहण.—(1) सेवा का कोई सदस्य अवकाश पर रहते हुए, सेवा-निवृत्तिपूर्व अवकाश को सम्मिलित करते हुए कहीं भी कोई सेवा अथवा रोजगार नहीं अपना सकता, अधिवक्ता की हैसियत से अपना निजी वृत्तिक व्यवसाय भी नहीं, पूर्व मंजूरी लिए बगैर :

(क) राष्ट्रपति की, यदि प्रस्तावित सेवाएं अथवा रोजगार भारत से बाहर कहीं हो, अथवा

(ख) उस प्राधिकारी की जो उसे नियुक्त करने हेतु सशक्त बनाया गया हो, यदि प्रस्तावित सेवा अथवा रोजगार भारत में ही कहीं हो।

2.(क) सेवा का कोई सदस्य अवकाश पर रहते हुए, सेवा-निवृत्तिपूर्व अवकाश के अतिरिक्त, किसी अन्य सेवा अथवा रोजगार को अपनाने का सामान्यतः अनुज्ञात नहीं होगा।

(ख) यदि किसी विशेष दशा में इस प्रकार की अनुमति देना वांछनीय समझा जाए तो सेवा का सदस्य अस्थायी रूप से अपनी सेवा मूल विभाग से उस कार्यालय में स्थानान्तरित करा सकता है जिसमें सेवा अथवा रोजगार लेने का वह अनुज्ञात हो अथवा यह आवश्यक हो सकता है कि किसी अन्य सेवा अथवा रोजगार लेने से पहले वह अपनी नियुक्ति त्याग दे।

(ग) सेवा-निवृत्तिपूर्व अवकाश पर रहते हुए सेवा का कोई सदस्य निजी रोजगार लेने का अनुज्ञात नहीं होगा। लेकिन वह पब्लिक सेक्टर उपक्रम अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित या वित्तपोषित किए जाने वाले निकाय में रोजगार लेने का अनुज्ञात हो सकता है और उस दशा में सेवा-निवृत्तिपूर्व अवकाश हेतु दिया जाने वाला अवकाश वेतन भी वहीं होगा जो नियम 55 के अधीन ग्राह्य है।

3.(क) ऐसी दशा में जब सेवा का कोई सदस्य सेवा-निवृत्तिपूर्व अवकाश पर अग्रणीत हो चुका हो, ऐसे अवकाश के दौरान सेवानिवृत्ति की तिथि से पहले केन्द्रीय सरकार के अधीन किसी पद पर भारत के अंदर अथवा बाहर अथवा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार में रोजगार हेतु अपेक्षित हो तथा कार्य पर वापस आने से सहमत हो तो अवकाश का शेष भाग कार्यग्रहण करने की तिथि से रह कर दिया जाएगा।

(ख) खंड (क) के अधीन इस प्रकार रह किया गया अवकाश, नियम 56 के उप-नियम (2) में निर्बंधित रूप में भुनाए जाने का अनुज्ञात होगा।

अध्याय III

अवकाश प्रदान किया जाना एवं उससे वापसी

12. अवकाश हेतु आवेदन पत्र.—अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी को अवकाश हेतु अथवा अवकाश के विस्तारण हेतु कोई भी आवेदन पत्र फार्म 1 अथवा फार्म 2 में, जैसा लागू हो, दिया जाएगा।

13. अवकाश लेखा.—लेखा अधिकारी द्वारा सेवा के हर एक सदस्य के संदर्भ में एक अवकाश लेखा फार्म 3 में जिला न्यायाधीश के कार्यालय में अनुरक्षित किया जाएगा।

टिप्पण :—जिला न्यायाधीश हर उत्तरवर्ती मास के दसवें दिन सेवा के हर एक सदस्य के अवकाश लेखा का मासिक विवरण उच्च न्यायालय को भेजेंगे।

14. अवकाश के हक का सत्यापन.—(1) सेवा के सदस्य को तब तक कोई अवकाश प्रदान ही किया जाएगा जब तक कि इस के ग्राह्यता के संदर्भ में अवकाश लेखा अनुरक्षित रखने वाले प्राधिकारी से रिपोर्ट न प्राप्त कर ली गई हो।

टिप्पण :—अवकाश मंजूरी हेतु आदेश, सेवा के सदस्य के प्रत्यय उपार्जित अवकाश/अर्ध वेतन अवकाश के अतिशेष को उपदर्शित करेगा।

2.(क) जहां विश्वास करने का कारण हो कि ग्राह्यता रिपोर्ट की प्राप्ति में असम्यक विलंब होगा तो अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी उपलब्ध सूचना के आधार पर सेवा के सदस्य को ग्राह्य अवकाश की मात्रा का परिकलन कर सकता है एवं अवकाश की निर्बंधित अनुमति एक कालावधि हेतु, जो साठ दिनों से अधिक नहीं हो, दे सकता है।

(ख) इस उपनियम के अधीन प्रदानित अवकाश, अवकाश लेखा अनुरक्षित रखने वाले प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के अधीन होगा और जहां आवश्यकता हो अवकाश की कालावधि हेतु एक आशित मंजूरी दी जा सकती है।

15. निश्चित विभव में अवकाश का नहीं प्रदान किया जाना.—सेवा के उस सदस्य को अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा जिसे दंड देने हेतु सक्षम प्राधिकारी सरकारी सेवा से पदच्युत, अपसारित अथवा अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने का निर्णय ले चुका हो।

16. चिकित्सीय प्रमाण-पत्र पर अवकाश पदान किया जाना.—(1) सेवा के किसी सदस्य द्वारा चिकित्सीय प्रमाण-पत्र पर अवकाश हेतु दिया जाने वाला आवेदन पत्र प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर से मिले फार्म 4 के अनुसार एक चिकित्सीय प्रमाण-पत्र के संग होगा।

स्पष्टीकरण.—प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर का अर्थ वह व्यक्ति होगा जो सरकार द्वारा किसी अनुमोदित औषध तंत्र के अधीन औषध के आचरण करने हेतु प्राधिकृत हो।

(2) एक प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर किसी ऐसी दशा में अवकाश प्रदानित किए जाने की सिफारिश नहीं करेगा जिसमें युक्तियुक्त संभावना नहीं प्रतीत होती हो कि सेवा का संप्रक्त सदस्य कभी भी अपने कार्य संभालने योग्य होगा और ऐसी दशा में यह राय कि सेवा का सदस्य स्थायी रूप से सरकारी सेवा हेतु अयोग्य है, चिकित्सीय प्रमाण-पत्र में अभिलेखित किया जाएगा।

(3) अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी अपने विवेकाधिकार पर एक सरकारी चिकित्सीय अधिकारी जो सिविल सर्जन अथवा स्टाफ सर्जन के पद से नीचे का न हो, को अनुरोध करके आवेदक का सबसे पहले संभव तिथि को चिकित्सीय परीक्षण करवाकर द्वितीय चिकित्सीय राय सुनिश्चित कर सकता है।

(4) उप-नियम (3) में निर्दिष्ट सरकारी चिकित्सीय अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि वह सम्भाव्यता की वास्तविकता और सिफारिश किए गए अवकाश की मात्रा हेतु आवश्यकता दोनों के संदर्भ में एक राय अभिव्यक्त करे और इस उद्देश्य से वह आवेदक को अपने समक्ष अथवा उसके द्वारा नामनिर्दिष्ट किसी अन्य चिकित्सीय अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने की अपेक्षा करे।

(5) इस नियम के अधीन चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रदानित किया जाना स्वयं सेवा के संप्रकृत सदस्य को अवकाश का अधिकार प्रदान नहीं करता। अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी के पास यह चिकित्सीय प्रमाण-पत्र अग्रपिप्त किया जाएगा और उस प्राधिकारी के आदेश की प्रतीक्षा की जाएगी।

(6) अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी अपने विवेकाधिकार पर एक समय में 3 दिनों से अधिक नहीं होने वाले कालावधि के अवकाश हेतु आवेदन पत्र की दशा में चिकित्सीय प्रमाणपत्र लाने को अधिकृत कर सकता है। तथापि ऐसा अवकाश चिकित्सीय प्रमाण-पत्र पर मिला अवकाश नहीं माना जाएगा और उसे चिकित्सीय आधार पर मिले अवकाश के बजाए अन्य किसी अवकाश के विरुद्ध विकलित किया जाएगा।

17. उस सेवा के सदस्य को अवकाश, जिसके कार्य पर स्वस्थ होकर वापस आने की संभावना न हो।—(1)(क) जब चिकित्सा अधिकारी यह रिपोर्ट दे कि इसकी यथोचित संभावना नहीं है कि सेवा का सदस्य कभी भी अपना कार्यग्रहण करने हेतु स्वस्थ होगा, ऐसी सेवा का सदस्य को आवश्यक रूप से अवकाश अस्वीकृत नहीं किया जाएगा।

(ख) यदि देय हो तो, सक्षम प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है :-

(i) यदि चिकित्सा प्राधिकारी निश्चित रूप से यह कहने में असमर्थ हो कि सेवा का सदस्य सेवा हेतु पुनः स्वस्थ नहीं होगा तो कुल मिलाकर बारह मासों से अधिक का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा एवं ऐसे अवकाश को बिना किसी चिकित्सा प्राधिकारी के पुनः सन्दर्भित किए, आगे विस्तारित नहीं किया जाएगा ;

(ii) यदि सेवा के सदस्य को चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे की सेवा हेतु पूर्णतः और स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किया जाता है तो चिकित्सा प्राधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात् उसको अवकाश अथवा अवकाश में विस्तार स्वीकृत किया जाएगा, बशर्ते अवकाश खाते में विकलित की गई अवकाश की मात्रा, चिकित्सा प्राधिकारी की रिपोर्ट की तिथि के पश्चात् किसी कार्य की अवधि के सहित छः मास से अधिक न होती हो।

(2) सेवा का सदस्य जिसे किसी चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे की सेवा हेतु पूर्णतः तथा स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किया गया है तो :-

(क) यदि वह कार्य पर है तो वह सेवा अवधि के दौरान सेवा से अविधिमान्य नहीं किया जाएगा ;

(ख) यदि वह पहले से ही अवकाश पर है तो उप-नियम (1) के अंतर्गत उनको स्वीकार किए गए उस अवकाश अथवा अवकाश के विस्तार की समाप्ति पर, यदि कोई हो, सेवा से अविधिमान्य नहीं किया जाएगा।

18. अवकाश का प्रारम्भ और अन्त —नियम 19 में जैसा उपबंधित है उसके सिवाय, अवकाश साधारणतः उस दिवस से प्रारंभ होता है जिस दिवस से कार्यभार का अंतरण प्रभावी किया जाता है एवं उस दिवस से पूर्व समाप्त होता है जब कार्यभार ग्रहण किया जाता है।

19. छुट्टियों का अवकाश के साथ संयोजन।—(1)(i) वह दिवस जो सेवा के सदस्य का अवकाश (चिकित्सा प्रमाण पत्र पर अवकाश से भिन्न) के प्रारम्भ के दिवस से ठीक पूर्व का दिवस अथवा वह दिवस जब उसका अवकाश समाप्त होता है के ठीक बाद का दिवस, छुट्टी का दिवस अथवा छुट्टियों की एक शृंखला है तो सेवा के सदस्य को (सिवाय ऐसे मामलों में जहाँ प्रशासनिक कारणों हेतु अवकाश के साथ छुट्टियों को पूर्वयोजित/पश्चयोजित करने हेतु अनुज्ञा विनिर्दिष्ट रूप से विधारित की जाती है।)

उसका मुख्यालय छोड़ने हेतु पूर्व दिवस की समाप्ति पर अथवा छुट्टी अथवा छुट्टियों की शृंखला के पश्चात् दिवस को लौटने के लिए अनुज्ञात समझा जाएगा।

(ii) चिकित्सा प्रमाण पत्र के आधार पर अवकाश के मामले में—

(क) जब सेवा के सदस्य को कार्यालय में उपस्थित होने में अस्वस्थ प्रमाणित किया गया है उसके ठीक पूर्व का दिवस यदि कोई छुट्टी(या) है तो स्वयंमेव ही अवकाश में पूर्वयोजित कर दिया जाएगा एवं जिस दिन वह इस प्रकार प्रमाणित किया गया है उसके ठीक पश्चात् के दिवस यदि कोई छुट्टी(या) है (उस दिवस को सम्मिलित करते हुए) को स्वयंमेव ही अवकाश में पश्चयोजित कर लिया जाएगा, एवं

(ख) जब सेवा के सदस्य को कार्यग्रहण करने हेतु चिकित्सीय रूप से स्वस्थ प्रमाणित किया जाता है तो जिस दिवस वह ऐसा प्रमाणित किया गया है उसके (उस दिवस को सम्मिलित करते हुए) को स्वयंमेव ही अवकाश के साथ पश्चयोजित कर दिया जाएगा।

(2) जब तक अवकाश स्वीकृत करने वाला सक्षम प्राधिकारी किसी मामले में अधिकारी अन्यथा निर्दिष्ट न करे -

(क) यदि छुट्टियाँ अवकाश से पूर्वयोजित हैं तो अवकाश एवं वेतन और भत्तों की किसी तत्संबंधी पुनर्व्यवस्था छुट्टियों के पश्चात् के दिवस से प्रभावशील होगी ; एवं

(ख) यदि छुट्टियाँ अवकाश से पश्चयोजित हैं तो अवकाश को समाप्त समझा जाएगा एवं वेतन और भत्तों की कोई तत्संबंधी पुनर्व्यवस्था उस दिवस से प्रभावशील होगी जिस दिवस से यदि छुट्टियाँ पश्चयोजित न की गई हों, तो अवकाश समाप्त हो जाता है।

20. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्ति अथवा नियुक्ति की तिथि से परे अवकाश को प्रदान किया जाना. —अखिल भारतीय सेवाएं (मृत्यु एवं सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 के नियम 16 के अन्तर्गत, सेवा के सदस्य को उस तिथि से परे कोई अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा जिस तिथि को वह सेवा से सेवानिवृत्त होता है अथवा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होता है।

21. अवकाश की समाप्ति के पूर्व कार्य पर वापस बुलाना. —(1) ऐसे मामले में जब सेवा के सदस्य को उसके अवकाश की समाप्ति से पूर्व कार्य पर वापस बुलाया जाता है तो कार्य पर ऐसे वापस बुलाए जाने को समस्त मामलों में अनिवार्य माना जाएगा एवं सेवा के सदस्य को निम्नलिखित को पत्राता होगी—

(क) यदि अवकाश जिससे, उसे वापस बुलाया गया है, भारत में है तो जिस तिथि को वह स्टेशन के लिए प्रस्थान प्रारम्भ करता है जिसके लिए उसे आदेशित किया गया है उसी तिथि से उसे कार्य पर माना जाएगा एवं वह निम्न को प्राप्त करेगा—

- (i) इस निम्नित बने नियमों के अंतर्गत यात्रा हेतु यात्रा भत्ता; एवं
- (ii) जब तक वह अपना पद ग्रहण नहीं करता है वह, उसी दर से अवकाश वेतन प्राप्त करेगा जिस दर से वह प्राप्त करता, यदि उसे अवकाश से वापस नहीं बुलाया जाता।

(ख) यदि अवकाश जिससे उसे वापस बुलाया गया है भारत से बाहर है तो भारत तक की यात्रा में प्रयुक्त समय को अवकाश की गणना के उद्देश्य हेतु, उसे कार्य पर माना जाएगा और वह प्राप्त करेगा—

- (i) अवकाश वेतन, भारत तक यात्रा के दौरान की अवधि एवं भारत में उतरने की तिथि से उसके पद ग्रहण करने की तिथि तक की अवधि तक, उसी दर से प्राप्त करेगा जिस दर से वह उसे प्राप्त करता यदि उसे अवकाश से वापस न बुलाया, प्राप्त करता।

(ii) भारत में पहुंचने तक की निःशुल्क यात्रा सुविधा।

- (iii) यदि उसने भारत में वापसी पर, खानगी की तिथि तक अपने अवकाश का आधा समय अथवा तीन मास, जो भी कम हो, पूर्ण नहीं किया है तो भारत से जाने में किए गए यात्रा व्यय को वापस पाने का हकदार होगा।

(iv) भारत में उतरने के स्थान से कार्यस्थल तक की यात्रा हेतु उस समय प्रवृत्त नियमों के अंतर्गत यात्रा भत्ता।

22. अवकाश से वापसी. —(1) सेवा का सदस्य अवकाश पर उसको स्वीकृत अवकाश की अवधि के समाप्त होने से पूर्व, जब तक अपने कार्य पर वापस नहीं आ सकेगा जब तक कि उसे ऐसा करने की अनुमति उस प्राधिकारी द्वारा नहीं दी जाती जिसने उसे अवकाश स्वीकृत किया था।

(2) चाहे उप-नियम (1) में कुछ भी निहित, क्यों न हो, सेवानिवृत्ति पूर्व अवकाश पर रहते हुए सेवा के सदस्य को, जिस पद से वह सेवानिवृत्ति पूर्व अवकाश पर गया था, उस पद पर नियुक्त करने वाले सक्षम प्राधिकारी की सहमति के बिना कार्य पर वापस आने से प्रतिबाधित किया जाएगा।

(3) सेवा का सदस्य जिसने चिकित्सा प्रमाणपत्र के आधार पर अवकाश लिया है वह अपने कार्य पर तब तक वापस नहीं आ सकता जब तक कि वह फार्म 5 में स्वस्थता चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर देता।

(4)(क) इस आशय के विनिर्दिष्ट आदेशों के अभाव में अवकाश से वापस लौटने वाला सेवा का सदस्य उस विषय के अनुक्रमण में उस पद पर पुनः कार्यग्रहण की पत्राता नहीं रखता है, जिस पद पर वह अवकाश पर जाने से पूर्व पदस्थ था।

(ख) सेवा का सदस्य अपने कार्य पर वापस उपस्थित होने की सूचना उस प्राधिकारी को जिसने उस अवकाश को स्वीकृत किया था अथवा उस प्राधिकारी को, यदि कोई है, जैसा अवकाश स्वीकृत आदेश में निर्दिष्ट है, देगा।

टिप्पण : सेवा का सदस्य जो क्षय रोग से पीड़ित था, को स्वस्थता प्रमाणपत्र के आधार पर कार्य पर उपस्थित होने की अनुमति दी जा सकती है, जिसमें उसे हल्का कार्य देने की अनुशंसा की गई हो।

23. अवकाश समाप्ति के पश्चात् अनुपस्थिति. —(1) जब तक अवकाश स्वीकृत करने वाला सक्षम प्राधिकारी अवकाश में विस्तार नहीं करता है, सेवा का सदस्य जो अवकाश समाप्त होने के पश्चात् अनुपस्थित रहता है, को ऐसी अनुपस्थिति की अवधि का अवकाश वेतन देय नहीं होगा एवं वह अवधि उसके अवकाश खाते से इस रूप में विकलित की जाएगी जैसे कि वह अर्धवेतन अवकाश था उस सीमा तक जितना ऐसा अवकाश देय है, ऐसे देय अवकाश की अधिक अवधि असाधारण अवकाश के रूप में मानी जाएगी।

(2) अवकाश के पश्चात् स्वेच्छा से कार्य से अनुपस्थित रहने वाला सेवा का सदस्य, अनुशासनिक कार्रवाई का भागीदार होगा

अध्याय 4

स्वीकार्य और देय अवकाश के संचार

24. उपाजित अवकाश :—

(क) सेवा के सदस्य के अवकाश खाते में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के जनवरी एवं जुलाई के प्रथम दिवस में अन्तिम में 15-15 दिवसों की दो किस्तों में उपाजित अवकाश जमा किया जाएगा।

(ख) यदि सेवा के सदस्य की नियुक्ति वर्ष के जनवरी मास के प्रथम दिवस के पश्चात् हुई है तो सेवा के प्रत्येक पूर्ण मास के लिए $2\frac{1}{2}$ दिवसों की दर से उसके अवकाश खाते में उपाजित अवकाश जमा किया जाएगा जो उसे कैलेंडर वर्ष के अर्धवर्ष में दिया जाने वाला है जिसमें वह नियुक्त हुआ है।

स्पष्टीकरण. —यदि जनवरी के प्रथम दिवस अथवा जुलाई के प्रथम दिवस को छुट्टी है एवं सदस्य उसके अगले कार्य दिवस पर

सेवा ग्रहण करता है तो वह अवकाश की समस्त जमा का हकदार होगा।

(ग) अर्धवर्ष हेतु जमा जिसमें सेवा का सदस्य सेवा से सेवानिवृत्त होने वाला है अथवा त्यागपत्र देने वाला है, तो अर्धवर्ष में सेवानिवृत्ति अथवा त्यागपत्र की तिथि तक प्रत्येक पूर्ण मास के लिए केवल $2\frac{1}{2}$ दिवसों की दर से अवकाश प्रदान किया जाएगा। यदि उपभोग किया गया अवकाश जो उसको देय है, जमा से अधिक है, तो अवकाश वेतन अव्याहरण, यदि कोई है के सम्बन्ध में आवश्यक समायोजन किए जाएंगे।

(घ) सेवा के सदस्य के खाते में अर्धवर्ष की समाप्ति पर जो उपाजित अवकाश जमा होगा उन्हें इस शर्त के अध्वधीन अगले अर्धवर्ष में अग्रनीत किया जाएगा कि इस प्रकार अग्रनीत किया गया उपाजित अवकाश एवं अर्धवर्ष हेतु जमा 300 दिवसों से अधिक नहीं होगा जिसके लिए सेवा में रहते हुए अथवा नियम 66 के अंतर्गत अवकाश यात्रा छूट सहित नकदीकरण स्वीकृत किया गया है।

स्पष्टीकरण—ऐसे मामलों में जहां 1 जनवरी/1 जुलाई को जमा उपाजित अवकाश 300 दिवस अथवा उससे कम है परन्तु 285 दिवसों से अधिक है ऐसी स्थिति में 15 दिवसों का उपाजित अवकाश एक अग्रिम जमा के रूप में अवकाश खाते में जमा किया जाएगा। तथापि, परिणामिक कुल को 300+ के रूप में एवं 300 दिवसों की सीमा से अधिक दिवसों की संख्या को कोष्ठक में दर्शाया जाएगा, उसके उपरान्त चालू अर्धवर्ष के दौरान लिए गए अवकाश को प्रथमतया अवकाश खाते में कोष्ठक में दर्शायी गई संख्या से समायोजित किया जाएगा एवं अर्धवर्ष के अंत पर लिए गए अवकाश को समायोजित करने के पश्चात् शेष को 300 + एवं 300 दिवसों से अधिक दिवसों की संख्या, यदि कोई है, के रूप में दर्शाया जाएगा। इस तरह, कुल उपाजित अवकाश पर पहुंचते हुए जो अगले अर्धवर्ष के आरम्भ में पुनः जमा की जानी है कोष्ठक में दर्शाए गए दिवसों की संख्या को जमा किए जाने हेतु चाहें गए 15 दिवसों के उपाजित अवकाश की कुल संख्या से काटा जाएगा।

(ङ) जब सेवा के सदस्य को सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया जाता है अथवा सेवा में रहते हुए उसकी मृत्यु हो जाती है, तो जिस मास में उसे सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया जाता है अथवा सेवा में रहते हुए उसकी मृत्यु हो जाती है, उसके पूर्ववर्ती मास के अंत तक, प्रत्येक पूर्ण मास के लिए $2\frac{1}{2}$ दिवसों की दर से उपाजित अवकाश जमा करने की अनुमति दी जाएगी। जहां उपभोग किए गए उपाजित अवकाश की मात्रा अवकाश से अधिक है ऐसे मामलों में अवकाश वेतन के अधिक भुगतान को वसूल किया जाएगा।

(च) इन नियमों के अन्तर्गत जमा को प्रदान करते हुए, दिवस के भाग को निकटतम दिवस तक पूर्णकृत किया जाएगा।

(छ) सेवा के सदस्य को एक समय में अधिकतम 180 दिवसों का उपाजित अवकाश प्रदान किया जाएगा। परन्तु यह कि सेवानिवृत्ति से पूर्व में प्रदान किया गया उपाजित अवकाश 300 दिवसों के अध्वधीन होगा।

(ज) अवकाश के औपचारिक आवेदन को नियमों के साथ संलग्न फार्म 'ए' अथवा 'बी' में सदैव आवश्यक अवकाश रूप से 15

दिवसों से अग्रिम में प्रस्तुत किया जाएगा जब तक कि वे पूर्णतया अप्रत्याशित रूप से अत्यावश्यकताओं द्वारा रोकी न जाए।

(झ) यदि सेवा के किसी सदस्य ने असाधारण अवकाश का उपभोग किया है एवं/अथवा अर्धवर्ष की अवधि में कुछ समय की अवधि की अनुपस्थिति को अकार्यदिवस माना गया है तो उसके अगले अर्धवर्ष की अवधि के ऐसे प्रारम्भ में (देय अवकाश में से) उसके अवकाश खाते से ऐसे अवकाश एवं/अथवा अकार्य दिवस की अवधि का अधिकतम 15 दिवसों के अध्वधीन $1/10$ भाग कम कर दिया जाएगा।

25. अर्धवेतन अवकाश —

(क) सेवा के प्रत्येक सदस्य के अर्धवेतन अवकाश खाते में प्रत्येक कैलेण्डर वर्ष के जनवरी एवं जुलाई के प्रथम दिवस को 10-10 दिवसों की दो अर्धवेतन अवकाश किस्तें अग्रिम में जमा की जाएंगी।

(ख) सेवा के प्रत्येक पूर्ण मास हेतु $05/3$ दिवसों की दर से उपरोक्त अवकाश खाते में अवकाश जमा किए जाएंगे जो सेवा वह कैलेण्डर वर्ष के अर्धवर्ष में देने वाला है जिसमें वह नियुक्त हुआ है।

(ग) सेवा का सदस्य जो सेवा से सेवानिवृत्ति लेने वाला हो अथवा त्यागपत्र दे उसे उस अर्धवर्ष हेतु प्रति पूर्ण मास $5/3$ दिवसों की दर से सेवानिवृत्ति अथवा त्यागपत्र की तिथि तक (उपाजित अवकाश) जमा करने की अनुमति दी जाएगी।

(घ) जब सेवा के सदस्य को सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया जाता है अथवा उसकी सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है तो जिस मास में उसे सेवा से हटाया अथवा पदच्युत किया जाता है अथवा सेवा में रहते हुए उसकी मृत्यु हो जाती है, उसके पूर्ववर्ती मास के अंत तक, प्रत्येक पूर्णमास हेतु $5/3$ दिवसों की दर से अर्धवेतन अवकाश जमा करने की अनुमति दी जाएगी।

(ङ) जहां एक अर्धवर्ष में सेवा के सदस्य की एक अवधि की अनुपस्थिति अथवा निलम्बन को अकार्य दिवस माना गया है तो उसके अगले अर्धवर्ष की अवधि के प्रारम्भ में उसके अर्धवेतन अवकाश खाते से ऐसे अकार्य दिवस की अवधि का अधिकतम 10 दिवसों के अध्वधीन $1/18$ भाग कम कर दिया जाएगा।

(च) इस नियम के अन्तर्गत अवकाश चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर अथवा प्राइवेट कार्यों के आधार पर दिया जाएगा।

(छ) अर्धवेतन अवकाश की जमा को जोड़ते समय, दिन के एक भाग को निकटतम दिवस के साथ पूर्णकृत किया जाएगा।

26. परिवर्तित अवकाश —

(क) सेवा के सदस्य को चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर परिवर्तित अवकाश जो देय अर्धवेतन अवकाश की आधी मात्रा से अधिक नहीं होगा इन शर्तों के अध्वधीन प्रदान किया जाएगा कि ऐसे अवकाश को दोगुनी मात्रा देय अर्धवेतन अवकाश में देय होगी।

(ख) इस नियम के अंतर्गत कोई परिवर्तित अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा सिवाय इसके कि सक्षम प्राधिकारी के पास यह विश्वास करने हेतु कारण हो कि सेवा का सदस्य (अवकाश) की समाप्ति पर कार्य पर वापस आएगा।

जहाँ सेवा का सदस्य जिसे परिवर्तित अवकाश स्वीकृत किया गया है, सेवा से त्यागपत्र दे देता है अथवा, उसकी प्रार्थना पर, उसे कार्य पर बिना वापस आए स्वेच्छा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति दी जाती है, ऐसी स्थिति में परिवर्तित अवकाश को अर्धवेतन अवकाश के रूप में माना जाएगा एवं परिवर्तित अवकाश के संबंध में अवकाश वेतन एवं अर्धवेतन अवकाश के बीच का अंतर वसूल किया जाएगा।

परन्तु यदि सेवानिवृत्ति का कारण ऐसी बीमारी है जिसके कारण सेवा का सदस्य, आगे सेवा करने में असमर्थ घोषित किया गया हो अथवा उसकी मृत्यु की दशा में, तो ऐसी कोई वसूली नहीं की जाएगी।

(ग) उच्च न्यायालय द्वारा सम्पूर्ण सेवा के दौरान अधिकतम 180 दिवसों के अर्धवेतन अवकाश को परिवर्तित करने की अनुमति दी जा सकती है जहाँ ऐसे अवकाश का उपयोग अध्ययन के अनुमोदित पाठ्यक्रम हेतु, जो एक संस्थान के रूप में न्यायपालिका के हित में प्रमाणित हो, होता है।

स्पष्टीकरण : (1) सेवा के सदस्य की प्रार्थना पर उसको परिवर्तित अवकाश तब भी प्रदान किया जा सकता है जब उसको उपार्जित अवकाश देय हो।

(2) तथापि परिवर्तित अवकाश केवल अधिकृत मेडिकल प्रैक्टीशनर के चिकित्सीय स्वस्थता प्रमाणपत्र की प्रस्तुति पर ही स्वीकृत किया जाएगा।

27. अर्धवेतन अवकाश.—

(क) सेवानिवृत्ति से पूर्व अवकाश के मामले को छोड़कर, सेवा के सदस्य को चिकित्सीय प्रमाणपत्र के आधार पर सम्पूर्ण सेवा के दौरान अधिकतम 360 दिवसों तक सीमित अर्धवेतन अवकाश स्वीकृत किया जा सकेगा। तथापि, महिला सदस्य के मामले में, अवकाश बिना चिकित्सीय प्रमाणपत्र के स्वीकृत किया जा सकता है बशर्ते निम्नलिखित शर्तों के अधीन अवकाश शिशु देखभाल अवकाश, मातृत्व अवकाश एवं दत्तक अवकाश की निरन्तरता में हो :

- (i) जब सक्षम प्राधिकारी संतुष्ट हो, अवकाश की समाप्ति पर सेवा के सदस्य के कार्य पर वापस लौटने की युक्तियुक्त संभाव्यता है;
- (ii) अर्धवेतन अवकाश उतने अर्धवेतन अवकाश तक सीमित रहेगा जितना वह उसके पश्चात् अर्जित करने वाला है;
- (iii) अर्धवेतन अवकाश अर्धवेतन अवकाशों के प्रति विकलित किया जाएगा जिसे सेवा का सदस्य तत्पश्चात् अर्जित करता है।

(ख) (i) जहाँ सेवा का सदस्य जिसे अर्धवेतन अवकाश स्वीकृत किया गया है, सेवा से त्यागपत्र दे देता है अथवा उसकी प्रार्थना पर उसे कार्य पर वापस लौटे बिना स्वेच्छा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति दी जाती तो अर्धवेतन अवकाश उसके त्यागपत्र अथवा सेवानिवृत्ति के प्रभावी होने की उस तिथि से अस्वीकृत किया जाएगा जब ऐसा अवकाश आरम्भ हुआ था, एवं अवकाश वेतन को वसूल किया जाएगा।

(ii) जब सेवा का कोई सदस्य अर्धवेतन अवकाश के उपभोग के बाद अपना पद पुनः ग्रहण करता है एवं इससे पूर्व कि वह ऐसे अवकाश को अर्जित करे, अपनी सेवा को त्याग देता है अथवा सेवानिवृत्त हो जाता है, वह इसका दायी होगा कि वह अवकाश वेतन उस सीमा तक वापस कर दे जो तत्पश्चात् अवकाश उपार्जित नहीं हुआ हो:

उपबोधित कि उप-नियम (ए) या उप-नियम (बी) के अधीन अवकाश वेतन की वसूली नहीं होगी यदि सेवानिवृत्ति ऐसी बीमारी के कारण हो, जिसके परिणामस्वरूप सेवा का सदस्य आगे कार्य करने में असमर्थ हो अथवा उसकी मृत्यु हो गई हो।

(iii) जब सेवा का सदस्य अर्धवेतन अवकाश की निरन्तरता के दौरान अथवा अर्धवेतन अवकाश की कालावधि की समाप्ति पर असमर्थ हो जाए तो वह ऐसे अर्धवेतन अवकाश के अवसान की तिथि से सेवानिवृत्त समझा जाएगा अथवा समझी जाएगी।

28. असाधारण अवकाश.—

(ए) नियम 10 के अंतर्गत स्वीकृत किए जाने वाले अवकाश की अधिकतम कालावधि के अधीन सेवा के सदस्य को निम्नलिखित विषय में असाधारण अवकाश प्रदान किया जा सकता है, इसका तात्पर्य यह है कि—

- (i) जब किसी अन्य प्रकार का अवकाश ग्राह्य नहीं हो; अथवा
- (ii) जब कोई अन्य प्रकार का अवकाश ग्राह्य हो परन्तु सेवा का सदस्य लिखित रूप में असाधारण अवकाश प्रदान किए जाने हेतु आवेदन करे।

(बी) सक्षम प्राधिकारी अवकाश के बिना अनुपस्थिति वाली कालावधि को भूतलक्षी रूप से, असाधारण अवकाश में परिवर्तित कर सकता है तब भी जब अवकाश के बिना अनुपस्थित रहने के समय अन्य प्रकार का अवकाश ग्राह्य था।

(सी) असाधारण अवकाश, अवकाश लेखा में विकलित नहीं होगा।

(डी) असाधारण अवकाश के दो दौर अगर अन्य प्रकार के अवकाश द्वारा अंतर्गत होंगे तो वह उप-नियम (ए) के उद्देश्य हेतु असाधारण अवकाश का एक निरन्तर दौर माने जाएंगे।

29. साशय अधिरोपित क्षति हेतु विशेष अशक्तता अवकाश.—

(1) अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी सेवा के किसी सदस्य को (जहाँ वह स्थायी हो अथवा अस्थायी) जो साशय अधिरोपित क्षति अथवा कारित से प्रभावित हो अथवा अपने शासकीय कार्य के शोध्य पालन परिणामस्वरूप अथवा अपने शासकीय पद के परिणामस्वरूप अशक्त हो चुका हो, विशेष अशक्तता अवकाश प्रदान कर सकता है।

(2) ऐसा अवकाश तब तक प्रदान नहीं किया जाएगा जब तक कि अशक्तता घटना जो इसका कारण है, के तीन मास के भीतर स्वयं प्रकट न हुई हो तथा अशक्त व्यक्ति ने इसके ज्ञान में लाने में सम्यक् तत्परता से कार्य न किया हो :

उपबोधित कि अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी अशक्तता के कारण से संतुष्ट होकर अवकाश प्रदान किए जाने की अनुमति दे उन दशाओं में भी जब अशक्तता अपने कारित घटना के तीन मास बाद स्वयं प्रकट हुई हो।

(3) प्रदानित अवकाश कालावधि उतनी ही होगी जोकि प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर द्वारा प्रमाणित की गई हो एवं किसी भी दशा में 24 मास से अधिक नहीं होगी।

(4) विशेष अशक्तता अवकाश किसी भी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है।

(5) विशेष अशक्तता अवकाश एक से अधिक बार प्रदान किया जा सकता है यदि बाद की तिथि में अशक्तता समान परिस्थितियों में बह जाए अथवा पुनः प्रकट हो जाए परन्तु किसी एक अशक्तता के परिणामस्वरूप 24 मास से अधिक ऐसा अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा।

(6) विशेष अशक्तता अवकाश को पेंशन हेतु सेवा की गणना में कार्य के तौर पर माना जाएगा और उप-नियम (7) के खण्ड (बी) के प्रावधान के अधीन प्रदानित अवकाश के अतिरिक्त अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जाएगा।

(7) ऐसे अवकाश काल में अवकाश वेतन निम्नानुसार होगा :

(ए) ऐसे अवकाश के किसी कालावधि के प्रथम 120 दिन हेतु, इसमें उप-नियम (5) के अधीन प्रदानित ऐसे अवकाश की कालावधि भी सम्मिलित है, उपाजित अवकाश पर रहते हुए मिले अवकाश वेतन के समान होगा।

(बी) किसी ऐसे अवकाश की शेष कालावधि हेतु अर्ध-वेतन अवकाश के दौरान मिले अवकाश वेतन के समान होगा।

उपबोधित कि सेवा का एक सदस्य अपने विकल्प पर उप-नियम (ए) के अनुसार एक कालावधि हेतु जो अन्य 120 दिन से अधिक न हो अवकाश वेतन का अनुज्ञात होगा और इस दशा में ऐसे अवकाश की कालावधि उसके अर्ध-वेतन अवकाश लेखा से विकलित की जाएगी।

30. आकस्मिक क्षति हेतु विशेष अशक्तता अवकाश .—

(1) नियम 29 के प्रावधान उस सेवा सदस्य पर भी लागू होंगे जो किसी आकस्मिक रूप से हुई क्षति के कारण अशक्त हो अथवा अपने पदीय कार्य के सम्यक् पालन परिणामस्वरूप अथवा अपने शासकीय पद के परिणामस्वरूप अथवा किसी विशेष कर्तव्य के पालन में हुए रोग के कारण जो उसकी दायित्व को उसके द्वारा ग्रहणित सिविल पद से संबंधित साधारण जोखिम से अधिक बीमारी अथवा क्षति को बढ़ाने का प्रभाव रखता हो।

253404/11-2

(2) ऐसी दशा में विशेष अशक्तता अवकाश का प्रदान किया जाना आगे की शर्तों के अधीन होगा :

(i) कि अशक्तता यदि बीमारी के कारण हो तो प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर द्वारा आवश्यक रूप से प्रमाणित किया जाए कि यह प्रत्यक्षतः विशिष्ट कार्य के पालन से हुई है।

(ii) कि प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर द्वारा सिफारिश की गई अनुपस्थिति की कालावधि भागतः इस नियम के अधीन अवकाश में आए तथा भागतः किसी अन्य प्रकार के अवकाश में आए और कि अवकाश वेतन पर प्रदानित विशेष अशक्तता अवकाश की मात्रा उपाजित अवकाश पर प्राप्त (अवकाश) के समान 120 दिनों से अधिक नहीं हो।

31. प्रसूति अवकाश : (ए) सेवा की एक महिला सदस्य को जिसके दो से कम जीवित बच्चे हों, प्रसूति अवकाश उसके प्रारंभ होने की तिथि से 180 दिनों की कालावधि तक संपूर्ण वेतन पर प्रदानित किया जा सकता है। ऐसी कालावधि के दौरान उसे अवकाश वेतन अवकाश पर अग्रसित होने के तुरन्त पहले मिले वेतन के समान दिया जाएगा।

(बी) गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम, 1971 के अधीन अथवा अन्यथा उत्प्रेरित गर्भस्त्राव को सम्मिलित करते हुए गर्भपात की दशाओं में चिकित्सकीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर जैसा कि नियम 16 में अधिकृत है सेवा की एक महिला सदस्य को (जीवित बच्चों की संख्या पर विचार किए बिना) अधिकतम 45 दिनों की कालावधि का प्रसूति अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

(सी) प्रसूति अवकाश किसी भी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है। नियम 26 और नियम 27 में अंतर्विष्ट चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता होने पर भी आवेदन पत्र देने पर अधिकतम दो वर्ष तक किसी प्रकार का अवकाश जो देय हो तथा ग्राह्य हो (एक कालावधि हेतु परिवर्तित अवकाश जो 60 दिनों से अधिक न हो एवं अर्ध-वेतन अवकाश सम्मिलित करते हुए) उप-नियम (ए) के अधीन प्रदानित प्रसूति अवकाश की निरंतरता में दिया जा सकता है।

(डी) प्रसूति अवकाश को अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जाएगा।

32. पितृत्व अवकाश .—

(ए) सक्षम प्राधिकारी द्वारा सेवा का एक पुरुष सदस्य जिसे दो से कम जीवित बच्चे हों, प्रसव हेतु अपनी पत्नी के प्रसवावस्था के दौरान 15 दिनों की कालावधि हेतु पितृत्व अवकाश दिया जा सकता है अर्थात् शिशु के प्रसव की तिथि से 15 दिन पूर्व अथवा 6 मास पश्चात् तक।

(बी) ऐसे 15 दिनों की कालावधि के दौरान उसे अवकाश पर अग्रसर होने से ठीक पहले मिली वेतन के समान अवकाश वेतन मिलेगा।

(सी) पितृत्व अवकाश को अन्य किसी अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है।

(डी) पितृत्व अवकाश को अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जाएगा।

(ई) यदि पितृत्व अवकाश का उपभोग उप-नियम (ए) में विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर नहीं किया गया तो ऐसा अवकाश व्यपगत माना जाएगा।

33. दत्तक ग्रहण अवकाश .—

(1) सेवा की एक महिला सदस्य जिसे दो से कम जीवित बच्चे हों एक वर्ष से कम आयु वाले शिशु की विधिमान्यरूप से गोद लेने पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा दत्तक ग्रहण की तिथि से 180 दिनों की कालावधि हेतु दत्तक ग्रहण अवकाश प्रदान की जा सकती है।

(2) दत्तक ग्रहण अवकाश की कालावधि के दौरान उसे अवकाश पर अग्रसर होने से ठीक पूर्व मिली वेतन के समान अवकाश वेतन मिलेगा।

3.(क) दत्तक ग्रहण अवकाश को अन्य अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है।

(ख) उप-नियम (1) के अधीन प्रदानित दत्तक ग्रहण अवकाश की निरंतरता में सेवा की एक महिला सदस्य विधिमान्यरूप से दत्तक ग्रहण पर यदि इस हेतु आवेदन पत्र दे तो (अदेय अवकाश एवं चिकित्सीय प्रमाणपत्र की प्रस्तुति के बगैर अधिकतम 60 दिनों तक परिवर्तित अवकाश को सम्मिलित करते हुए) देय एवं ग्राह्य प्रकार का अवकाश भी विधिमान्यरूप से दत्तक ग्रहण की तिथि पर दत्तक ग्रहणित शिशु की आयु द्वारा घटाए एक वर्ष तक प्रदान की जा सकती है।

उपबोधित कि यह सुविधा उस दशा में अनुज्ञप्त नहीं होगी जब उसे दत्तक ग्रहण समय पहले से ही दो जीवित बच्चे हों।

(4) दत्तक ग्रहण अवकाश अवकाश लेखा से विकलित नहीं किया जाएगा।

(5) सेवा का एक पुरुष सदस्य जिसे दो से कम जीवित बच्चे हों, एक वर्ष से कम आयु वाले शिशु की विधिमान्यरूप से दत्तक ग्रहण पर दत्तक ग्रहण की तिथि से छः मास की कालावधि के भीतर 15 दिनों की कालावधि हेतु पितृत्व अवकाश मंजूर करा सकता है।

34. शिशु देखभाल अवकाश .—

सेवा की किसी महिला सदस्य को जिसे 18 वर्ष से कम आयु के अवयस्क बच्चे हो निम्नलिखित शर्तों पर अपनी सेवा समय के दौरान अधिक से अधिक 2 वर्ष (अर्थात् 720 दिन) की कालावधि हेतु शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

(क) शिशु देखभाल अवकाश केवल जीवित दो बड़े बच्चों के लिए अनुज्ञेय होगा।

(ख) शिशु देखभाल अवकाश एक कैलेंडर वर्ष में 3 दौर से अधिक में प्रदान नहीं किया जा सकता।

(ग) शिशु देखभाल अवकाश 15 दिन से कम के लिए प्रदान नहीं किया जा सकता।

(घ) शिशु देखभाल अवकाश सामान्यतः परिवीक्षा काल के दौरान प्रदान नहीं किया जाना चाहिए अतिरिक्त किसी निश्चित अति परिस्थितियों वाली दशा में जब अवकाश मंजूरकर्ता प्राधिकारी परिवीक्षाधीन के शिशु देखभाल अवकाश की आवश्यकता के संदर्भ में पूर्ण रूप से संतुष्ट हो। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि परिवीक्षा के दौरान जिस कालावधि हेतु यह अवकाश मंजूर किया जा रहा है वह न्यूनतम हो।

(ङ) शिशु देखभाल अवकाश एक अधिकार के तौर पर मांगा नहीं जा सकता। किसी भी परिस्थिति में सेवा का सदस्य सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना शिशु देखभाल अवकाश पर अग्रसर नहीं हो सकता।

स्पष्टीकरण .—

(1) शिशु देखभाल अवकाश को उपाजित अवकाश की तरह माना जाना है और वैसे ही मंजूर होना है परिणामस्वरूप अवकाश की कालावधि के दौरान आने वाले शनिवार, रविवार, राजपत्रित अवकाश इत्यादि को भी शिशु देखभाल अवकाश में गिना जाएगा जैसा कि उपाजित अवकाश की दशा में होता है।

(2) खण्ड (डी) ऊपर, सेवा के उस सदस्य की दशा में लागू नहीं होंगे जिसने दिल्ली न्यायिक सेवा से प्रोन्नति पर पद ग्रहण किया है।

35. विशेष आकस्मिक अवकाश .—

(क) उच्च न्यायालय सेवा के सदस्यों को इन नियमों के अधीन अपने उपाजित अवकाश के दावे के अधिकार को प्रभावित किए बिना प्रत्येक वर्ष जून के मास में अधिकतम तीन सप्ताह तथा दिसम्बर के मास में अधिकतम एक सप्ताह की कालावधि हेतु विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान कर सकता है।

(ख) सेवा के सदस्य के अवकाश लेखा से विशेष आकस्मिक अवकाश विकसित नहीं किए जाएंगे।

36. विशेष बीमारी अवकाश .—

(क) सेवा के सदस्य को एक वर्ष में, चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए बिना, चार विशेष बीमारी अवकाश प्रदान किए जा सकते हैं।

(ख) विशेष बीमारी अवकाश, सेवा के सदस्य के अवकाश लेखा से विकलित नहीं होगा।

37. प्रतिकरात्मक अवकाश .—

(क) सेवा के सदस्यों को प्रतिकरात्मक अवकाश दिया जा सकता है जब रविवार अथवा अन्य सार्वजनिक अवकाश पर अथवा छुट्टियों के दौरान अनिवार्य रूप से उपस्थिति प्रतिकरात्मक अवकाश को उतने दिनों की संख्या हेतु न्यायसंगत बताए जितने दिन सेवा के सदस्य को कार्यालय/न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

(ख) तथापि, सेवा के उस सदस्य को कोई प्रतिकरात्मक अवकाश ग्राह्य नहीं होगा जो रविवार अथवा सार्वजनिक छुट्टियों में ऐसे अनिवार्यतः उपस्थिति वाले दिन हेतु मानदेय ले चुका हो या उपयुक्त रूप में पैसे की शक्ति में मुआवजा पा चुका हो अथवा ऐसे दिनों में वह कार्य अवकाश पर रहा हो।

(ग) प्रतिकरात्मक अवकाश का उपभोग इसके देय होने की तिथि से 1 वर्ष की कालावधि के भीतर किया जा सकता है अन्यथा इसको समाप्त समझा जाएगा।

38. **परिवीक्षाधीन : परिवीक्षा पर रहने वाले व्यक्ति को अवकाश.**—1. (क) एक परिवीक्षाधीन इन नियमों के अधीन अवकाश का पात्र होगा यदि उसने परिवीक्षा से अन्यतः अपने पद को मूल रूप से ग्रहण किया हो।

(ख) यदि किसी कारणवश परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवाएं समाप्त करना प्रस्तावित हो तो कोई अवकाश जो उसे प्रदान किया जाता है, निम्न कालावधि के आगे विस्तारित नहीं होगा :

(i) उस तिथि के बाद, जिस तिथि को पूर्व से मंजूर अथवा विस्तारित परिवीक्षा कालावधि समाप्त होती है, या

(ii) किसी अन्य पूर्व तिथि के पश्चात् जिस तिथि को उसकी सेवाएं उसे नियुक्त करने वाले सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार समाप्त होनी हैं।

(2) एक व्यक्ति जो किसी पद पर परिवीक्षा आधार पर नियुक्त किया गया हो तो वह इन नियमों के अधीन अस्थाई अथवा स्थाई पद पर अपनी नियुक्ति के अनुसार सेवा के स्थाई अथवा अस्थाई सदस्य की हैसियत से अवकाश का पात्र होगा।

उपरोक्त कि यदि ऐसा व्यक्ति ऐसी नियुक्ति से पूर्व धारणाधिकार एक स्थाई पद पर पहले से ही हो तो वह इन नियमों के अधीन सेवा के एक स्थाई सदस्य के तौर पर अवकाश का हकदार होगा।

39. **सेवानिवृत्ति के बाद पुनः नियोजित व्यक्ति.**—सेवानिवृत्ति के बाद पुनः नियोजित व्यक्ति के विषय में इन नियमों के प्रावधान वैसे ही लागू होंगे जैसा कि वह अपने पुनः नियोजन की तिथि को प्रथम समय सरकारी सेवा में आया हो।

40. **सेवा-निवृत्तिपूर्व अवकाश.**—(1) सेवा का एक सदस्य, अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा, देय उपार्जित अवकाश की सीमा तक, अर्धवेतन अवकाश को मिला कर अधिकतम 300 दिन का सेवानिवृत्तिपूर्व अवकाश लेने का अनुज्ञात हो सकता है, इस प्रतिबंध के अधीन कि ऐसा अवकाश सेवानिवृत्ति की तिथि तक विस्तारित एवं उस तिथि को सम्मिलित करता हो।

स्पष्टीकरण.—सेवानिवृत्ति पूर्व अवकाश के तौर पर प्रदानित अवकाश में असाधारण अवकाश सम्मिलित नहीं होगा।

अध्याय 5

अध्ययन अवकाश

41. **अध्ययन अवकाश प्रदान करने की शर्तें.**—(1) किसी सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश न्यायिक सेवा की आवश्यकता पर भारत में, या भारत के बाहर किसी विशिष्ट पाठ्यक्रम जिसमें उच्च शिक्षा, किसी व्यवसाय में विशेष प्रशिक्षण या उसके कार्यक्षेत्र से सीधा संबंध रखने वाले तकनीकी विषय के अध्ययन हेतु प्रदान की जा सकती है।

(2) अध्ययन अवकाश किसी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या अध्ययन दौर के लिए प्रदान किया जा सकता है जिसमें सेवा सदस्य को नियमित रूप से शैक्षणिक या अर्ध-शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उपस्थित न होना पड़े यदि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या अध्ययन दौर सरकार के लिए, जनहित में, निश्चित रूप से लाभकारी प्रमाणित हो और उस सेवा सदस्य के कार्यक्षेत्र से संबंधित हो तथा निम्न शर्तों के साथ।

(क) विशेष अध्ययन तथा अध्ययन दौर को अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम अधिकारी द्वारा मान्य किया हो।

(ख) सेवा के सदस्य को लौटने के पश्चात् उसके द्वारा अध्ययन अवकाश पर किए गए पूरे काम की रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

(3) अध्ययन अवकाश सेवा के सदस्य को जिसका कार्यों से सीधा या निकट का सम्बन्ध नहीं है किन्तु जिससे उसका ज्ञान इतना विस्तीर्ण हो कि एक न्यायिक अधिकारी के नाते उसकी योग्यता बढ़ाने में सहायक हो तो उसे अध्ययन अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

(4) अध्ययन अवकाश भारत से बाहर अध्ययन के उन विषयों में जारी रखने के लिए नहीं किया जाएगा जिनके अध्ययन की पर्याप्त सुविधाएं भारत में उपलब्ध हों।

(5) अध्ययन अवकाश सेवा के सदस्य को प्रदान किया जा सकता है

(1) जिसने परिवीक्षाधीन अवधि को संतुष्टिपूर्वक पूरा किया हो तथा जिसने 5 वर्ष या 5 वर्ष से अधिक की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन अवधि को मिलाकर सरकारी नियमित सेवा प्रदान की हो।

(2) जिसका अवकाश के अवसान के पश्चात् कार्य ग्रहण करने की अपेक्षित तिथि से तीन वर्षों के भीतर सरकारी सेवा से अधिवर्षिता को आयु प्राप्त करना देय नहीं हो ; और

(3) जो नियम 44(4) में अधिकृत एक बंधपत्र का निष्पादन करते हुए इसका वचनबंध होता है कि वह अवकाश के अवसान के पश्चात् तीन वर्षों की कालावधि के हेतु सरकार की सेवा करेगा।

(6) सेवा के किसी सदस्य को इस आवृत्ति से अध्ययन अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा कि नियमित कार्य से उसका संबंध समाप्त हो जाए अथवा अवकाश पर रहते हुए उसकी अनुपस्थिति के कारण केडर की कठिनाइयां पैदा हों।

(7) अध्ययन अवकाश प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी उच्च न्यायालय होगा।

42. अध्ययन अवकाश की अधिकतम सीमा.—किसी सेवा सदस्य को दी जा सकने वाली अधिकतम अध्ययन अवकाश की सीमा निम्न होगी :—

(क) सामान्यतः बारह मास तक एक समय पर तथा

(ख) पूरे सेवा काल में 24 मास (जिसमें इसी प्रकार का अध्ययन या प्रशिक्षण सम्मिलित है जो अन्य नियमों के अंतर्गत स्वीकृत हुआ है।)

43. अध्ययन अवकाश का आवेदन.—(क) अध्ययन अवकाश का आवेदन, उचित माध्यम द्वारा, अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

(ख) सेवा के सदस्य, अपने आवेदन में, अपेक्षित अध्ययन पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों और कोई भी परीक्षा जो वह देना चाहे का, स्पष्ट उल्लेख।

(2) जब सेवा के सदस्य के लिए यह संभव न हो कि अपने आवेदन में पूरे विवरण दे या भारत से जाने के बाद, भारत में स्वीकृत कार्यक्रम में परिवर्तन करना चाहें, तो उसे यथाशीघ्र इसका विवरण, मिशन प्रमुख को, या अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम अधिकारी को देना चाहिए, जैसी स्थिति हो, तथा जब तक अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त न हो, प्रशिक्षण शुरू नहीं करना चाहिए। अपने जोखिम पर वह ऐसा कर सकेगा।

44. अध्ययन अवकाश की स्वीकृति.—(1) लेखा अधिकारी से अध्ययन अवकाश की स्वीकार्यता प्राप्त की जाएगी। परन्तु यदि सेवा के सदस्य ने कोई अध्ययन अवकाश का लाभ उठाया हो, उसे इस रिपोर्ट में सम्मिलित किया जाएगा।

(2) यदि दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा के स्थाई केडर के सेवा का कोई सदस्य दूसरे विभाग या स्थापना में अस्थायी रूप से कार्य कर रहा हो तो उसे अध्ययन अवकाश तभी स्वीकृत किया जाएगा जब उच्च न्यायालय की सहमति प्राप्त हो जाए।

(3) जब अध्ययन अवकाश, भारत के बाहर अध्ययन हेतु स्वीकृत किया जाए तो अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी इसकी सूचना संबंधित मिशन प्रमुख को देंगे, परन्तु जब इस प्रकार के अवकाश प्रशासक द्वारा स्वीकृत किए गए हों तो सूचना संबंधित मंत्रालय के द्वारा भेजी जाएगी।

टिप्पणी : सेवा का सदस्य परिचय पत्र जारी करने या अन्य आवश्यक समान सुविधाओं के लिए मिशन प्रमुख से संपर्क करेगा।

4(क) प्रत्येक सेवा का सदस्य जिसे अध्ययन अवकाश या ऐसे अध्ययन अवकाश में वृद्धि स्वीकृत की गई हो, को फॉर्म 6 या फॉर्म 7, में जैसी भी स्थिति हो अध्ययन या अध्ययन में वृद्धि अवकाश प्रारंभ करने के पूर्व बॉण्ड प्रस्तुत करेगा।

(ख) अवकाश स्वीकृत करने हेतु सक्षम प्राधिकारी लेखा अधिकारी को यह प्रमाणपत्र भेजेगा कि सेवा के सदस्य ने खंड (ए) में संदर्भित, आवश्यक बॉण्ड प्रस्तुत कर दिया है।

5(क) अध्ययन समाप्त होने पर, सेवा का सदस्य अध्ययन अवकाश स्वीकृत करने वाले प्राधिकारी को, जो परीक्षा पास की हो उनके प्रमाणपत्र या उन विषयों के नाम जिनका विशेष पाठ्यक्रम अध्ययन किया हो, प्रस्तुत करेगा साथ ही वह प्रशिक्षण प्रारंभ होने की दिनांक तथा प्रशिक्षण समाप्त होने की दिनांक तथा यदि प्रशिक्षण प्रभारी द्वारा कोई भी रिमार्क दिया गया हो, वह भी अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

(ख) यदि अध्ययन, भारत के बाहर, अन्य देश में प्राप्त किया गया हो जहाँ भारतीय मिशन हो वहाँ प्रमाणपत्र से संबंधित मिशन प्रमुख के माध्यम से जमा किए जाएंगे।

45. अध्ययन अवकाश का लेखा और अन्य प्रकार के अवकाशों के साथ जोड़ना.—(1) अध्ययन अवकाश, सेवा के सदस्य के किसी अवकाश लेख में विकलित नहीं होगा।

(2) अध्ययन अवकाश को अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है, परन्तु सेवा के सदस्य को किसी भी स्थिति में अध्ययन एवं अन्य अवकाश मिलाकर सामान्य रूप से 28 मास तथा पी.एच.डी. के लिए 36 मास से अधिक की अनुपस्थिति नहीं होनी चाहिए।

स्पष्टीकरण : इस उप-नियम में दी गई 28 माह तथा 36 माह की सीमा में अवकाश अवधि भी शामिल है।

(3) सेवा का सदस्य, जिसे अन्य प्रकार के अवकाश के साथ अध्ययन अवकाश स्वीकृत हुआ है, वह दूसरे प्रकार के अवकाश के दौरान अध्ययन कर सकता है तथा यदि नियम 48 की शर्त पूरी होती है तो प्रशिक्षण भत्ता ले सकता है बशर्ते कि अन्य अवकाश जिसमें प्रशिक्षण लिया है 'अध्ययन अवकाश' नहीं माना जाएगा।

46. अध्ययन समाप्ति के पश्चात् शेष अध्ययन अवकाश का नियमन.—जब सेवा के सदस्य का अध्ययन समाप्त हो जाए और अध्ययन अवकाश शेष हो तो वह अध्ययन समाप्त होने पर अपने कर्तव्य पर उपस्थित होगा, बशर्ते कि शेष 'अध्ययन अवकाश' को सामान्य अवकाश में परिवर्तित किया जाने की सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त न हो।

47. अध्ययन अवकाश के दौरान अवकाश वेतन.—(1) उपनियम 6 में प्रावधान के अतिरिक्त, भारत से बाहर अध्ययन अवकाश लेने के दौरान सेवा का सदस्य उतना ही अवकाश वेतन पाएगा जितना अवकाश लेने से ठीक पहले सरकार से ड्यूटी पर रहने के दौरान कोई सेवा का सदस्य लेता है। वह अवकाश वेतन और उसके साथ मंहगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और अध्ययन भत्ता जो नियम 48 से 51 के अनुसार देय हो, लेगा।

(2) उप-नियम 6 के प्रावधान के अतिरिक्त, जब कर्मचारी भारत में अध्ययन अवकाश आहरित करे कर्मचारी उस राशि के बराबर वेतन, जो वह अध्ययन अवकाश प्रारम्भ होने वाले दिन के पूर्व वाले दिन आहरित कर रहा था, तथा उस वेतन के साथ नियम के प्रावधान के अनुसार महंगाई भत्ता तथा भत्ता किराया आहरित करेगा।

(3) उप-नियम (2) के अंतर्गत पूर्ण दर पर अवकाश वेतन आहरित करने के लिए सेवा के सदस्य को यह प्रमाण देना होगा कि उसे कोई छात्रवृत्ति, वृत्तिका या पारिश्रमिक किसी अंशकालिक कार्य के लिए नहीं मिल रहा है।

(4) यदि कर्मचारी को अध्ययन अवकाश काल में कोई छात्रवृत्ति, वृत्तिका या कर्मचारी द्वारा कोई अंशकालीन कार्य करने का पारिश्रमिक जैसा नियम 48 के उप-नियम (2) में दिया है, मिल रहा होगा, तो उस राशि का समायोजन करके अवकाश वेतन में किया जाएगा लेकिन अवकाश वेतन उस अवधि में प्राप्त अर्धवेतन अवकाश की राशि से कम नहीं किया जाएगा।

(5) भारत में अध्ययन के लिए अध्ययन अवकाश के दौरान कोई अध्ययन भत्ता नहीं दिया जाएगा।

(6) भारत में या भारत के बाहर अध्ययन अवकाश के दौरान, सेवा का सदस्य वेतन पुनर्तीक्षित होने की तिथि से पुनर्तीक्षित वेतन के लाभ उठाएगा।

48. अध्ययन भत्ता स्वीकृत होने की शर्तें.—(1) अध्ययन भत्ता, सेवा के उस सदस्य को दिया जाएगा जिसे भारत के बाहर अध्ययन पर जाने हेतु अध्ययन अवकाश स्वीकृत हो गया हो। तथा उसे निश्चित अवधि में निश्चित कोर्स का मान्यताप्राप्त संस्थान में अध्ययन करे या विशेष प्रकार के कार्य के निरीक्षण हेतु निश्चित प्रवास पर जाए तथा पाठ्यक्रम के अध्ययन के अंत में परीक्षा में सम्मिलित हो।

(2) जब सेवा के सदस्य को अवकाश वेतन के अतिरिक्त छात्रवृत्ति या वृत्तिका जो वह शासकीय या अशासकीय साधन से प्राप्त करे या उसे अंशकालीन कार्य का पारिश्रमिक लेने हेतु अनुमति दी गई हो, तब

(क) यदि ऐसी छात्रवृत्ति, वृत्तिका या पारिश्रमिक में से वह फीस जो सेवा का सदस्य छात्रवृत्ति, वृत्तिका या पारिश्रमिक में से जमा करे को घटाकर शेष राशि दी जाएगी। यदि वह राशि प्रशिक्षण भत्ते से अधिक है तो कोई अध्ययन भत्ता देय नहीं होगा।

(ख) यदि छात्रवृत्ति, वृत्तिका या पारिश्रमिक की शुद्ध राशि अध्ययन भत्ते से कम है तो इस अंतर की राशि, अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा देने की स्वीकृति दी जाएगी।

(3) सेवा के सदस्य को, उस अवधि का, जब वह अपनी सुविधा के लिए पढ़ाई रोक देता है, अध्ययन भत्ता देय नहीं होगा। परन्तु अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी या मिशन का

प्रमुख एक समय में अधिकतम 14 दिन का अध्ययन भत्ता यदि ऐसा अवरोध, बीमारी के कारण हो तो लेने की अनुमति दे सकते हैं।

(4) निम्न शर्तों के अधीन अध्ययन के दौरान अवकाश की संपूर्ण अवधि के लिए भी अध्ययन भत्ते की स्वीकृति दी जाएगी।

(क) सेवा का सदस्य अवकाश के दौरान सरकार या अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी के निर्देश पर कोई विशेष पाठ्यक्रम या प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करे।

(ख) ऐसे निर्देश के अभाव में वह अवकाश स्वीकृत करने के लिए मिशन प्रमुख या सक्षम प्राधिकारी के सामने संतोषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करता है कि उसने अवकाश के दौरान अपना अध्ययन जारी कर रखा है।

यह प्रावधान है कि यदि विश्रामावकाश अध्ययन की समाप्ति पर हो तो अधिकतम 14 दिन का अध्ययन भत्ता प्राप्त कर सकेगा।

(5) सब अवधि सम्मिलित कर अध्ययन भत्ता अधिकतम 24 माह तक स्वीकृत हो सकेगा।

49. प्रशिक्षण भत्ते की दरें.—सेवा के सदस्य को अध्ययन भत्ते की दरें प्रत्येक मामले में उच्च न्यायालय द्वारा जैसे विशेष रूप से निर्धारित की जा सकती हैं, होंगी।

टिप्पण : अध्ययन भत्ते की दरें किसी भी मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित की गई दरों से कम नहीं होंगी।

50. अध्ययन भत्ते के भुगतान की प्रक्रिया.—(1) प्रशिक्षण भत्ता तब ही देय होगा जब सेवा का सदस्य यह प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा कि उसे कोई छात्रवृत्ति या वृत्तिका या किसी अंशकालीन कार्य का कोई पारिश्रमिक प्राप्त नहीं हुआ है।

(2) सेवा का सदस्य को प्रशिक्षण भत्ता प्रत्येक माह के अंत में अस्थाई रूप से दे दिया जाएगा तथा सेवा के सदस्य से यह वचन पत्र लिया जाएगा कि उपस्थिति का प्रमाण-पत्र न प्रस्तुत करने पर या अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी को यह संतुष्ट न कर पाने पर कि जिस अवधि का अध्ययन भत्ता लिया है उस अवधि में पूरा समय अध्ययन के उपयोग में लिया है या कोई अन्य अधिक भुगतान होने पर वह उसको वापस करेगा।

3(क) किसी मान्यताप्राप्त संस्थान में निश्चित पाठ्यक्रम का अध्ययन करने पर या ऐसे देश जहां भारतीय मिशन नहीं है;

प्रशिक्षण भत्ता अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा भुगतान किया जाएगा। अन्य स्थिति में मिशन प्रमुख द्वारा भुगतान किया जाएगा। उस हेतु सेवा का सदस्य अपना बिल उपस्थिति प्रमाण-पत्र सहित मिशन प्रमुख को प्रस्तुत करेगा।

(ख) जब सेवा का सदस्य शैक्षणिक संस्थान में शिक्षा प्राप्त करता है तो अध्ययन भत्ते के लिए आवश्यक उपस्थिति प्रमाण-पत्र शैक्षणिक सत्र के अंत में प्राप्त होगा। अन्य संस्थाओं में शिक्षा प्राप्त करने पर प्रति तीन माह के पश्चात् उपस्थिति प्रमाण-पत्र प्राप्त होगा।

4(क) जब अध्ययन कार्यक्रम स्वीकृत किया गया हो तब अध्ययन कार्यक्रम में इस प्रकार का अध्ययन शामिल या संपूर्ण रूप से शामिल न हो, तो सेवा का सदस्य अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी को सूचित या मिशन प्रमुख के माध्यम से यह दर्शाते हुए कि उसने अपना समय कैसे व्यतीत किया एक डायरी और पढ़ी गई पद्धतियों और कार्यकलापों (ऑपरेशन) की प्रकृति पूरी तरह प्रकट करने वाली एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसमें वह ऐसी पद्धतियों या कार्यकलापों को भारत की परिस्थिति में अपनाने की संभावना के लिए सुझाव शामिल करेगा।

(ख) अवकाश स्वीकृत करने वाला सक्षम प्राधिकारी डायरी एवं रिपोर्ट के अध्ययन के पश्चात् यह निश्चित करेगा कि सेवा के सदस्य ने अपने समय का सदुपयोग किया है तथा उसे कितनी अवधि का अध्ययन भत्ता दिया जाए।

51. अध्ययन भत्ते के अतिरिक्त भत्ता.—(1) सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश के पहले (180) दिवसों में, उस स्थान का, जहां से वह अध्ययन अवकाश पर गया है, उस स्थान हेतु समय-समय पर स्वीकृत दर से मकान किराया भत्ता दिया जाएगा। 180 दिवसों के पश्चात् मकान किराया वित्त मंत्रालय के कार्यालय जापन सं. 2(37)-ई-11 (बी)/64 दिनांक 27-11-1965 के पैरा 8 (डी) के अनुसार एक प्रमाण-पत्र की प्रस्तुति (जैसा समय-समय पर संशोधित) के पश्चात् दिया जाएगा।

(2) सेवा के सदस्य को स्वीकृत अध्ययन अवकाश अवधि के दौरान उप-नियम (1) के अंतर्गत मकान किराया, महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता और अध्ययन भत्ता जहां स्वीकृत हो, के अतिरिक्त कोई अन्य भत्ता देय नहीं होगा।

52. अध्ययन अवकाश के दौरान यात्रा भत्ता.—जिस सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश स्वीकृत हुआ हो उसे सामान्यतः यात्रा भत्ता नहीं देय होगा परन्तु कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में राष्ट्रपति ऐसे भत्ते के भुगतान को स्वीकृत दे सकता है।

53. अध्ययन हेतु फीस का भुगतान.—जिस सेवा के सदस्य को अध्ययन अवकाश स्वीकृत किया गया हो उसे सामान्यतः फीस का भुगतान स्वयं करना होता है परन्तु कुछ अपवाद मामलों में उच्च न्यायालय फीस की स्वीकृति का अनुमोदन कर सकता है।

सावधान है कि किसी भी स्थिति में सेवा के सदस्य को जिसे छात्रवृत्ति या धृतिगत किसी भी स्रोत से मिलता है या अवकाश वेतन के अतिरिक्त अंतरकालीन कार्य का पारिश्रमिक रखने की अनुमति दी जाती है, को फीस का भुगतान नहीं किया जाएगा।

54. अध्ययन अवकाश के पूर्ण होने पर या अध्ययन पाठ्यक्रम पूर्ण न होने के पश्चात् त्यागपत्र या सेवानिवृत्ति.—(1) यदि सेवा का सदस्य, अध्ययन अवकाश की अवधि के बाद कार्य पर वापस आए बिना अथवा कर्तव्य पर वापस आने के तीन वर्ष की

अवधि के पश्चात् सेवा से त्यागपत्र देता या सेवानिवृत्त होता है अथवा अन्यथा सेवा छोड़ता है या अध्ययन पाठ्यक्रम पूर्ण करने में विफल होता है और नियम 44 के उप-नियम (5) के अंतर्गत अपेक्षित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ होता है तो वह निम्नलिखित (धनराशि) वापस करेगा :

(i) अवकाश वेतन की वास्तविक राशि, अध्ययन भत्ता, फीस की राशि, यात्रा एवं अन्य व्यय, यदि कोई हो, भारत सरकार द्वारा उपनत किए गए हों; तथा

(ii) अध्ययन पाठ्यक्रम के संबंध में, उसका त्यागपत्र स्वीकृत होने या सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान होने अथवा अन्यथा उसके सेवा छोड़ने से पूर्व मांग की तिथि से सरकारी ऋण पर उस समय प्रभावी दरों पर लागू ब्याज के साथ, विदेशी सरकार, प्रतिष्ठानों और न्यासों जैसी अन्य एजेंसियों द्वारा उपनत लागत की वास्तविक राशि:

बशर्ते कि सेवा का सदस्य जो अध्ययन के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में विफल रहा है, उसके सिवाय इस नियम की कोई भी बात निम्न पर लागू नहीं की जाएगी—

(क) सेवा के उस सदस्य पर जिसे अध्ययन अवकाश से कार्य पर वापसी के पश्चात् चिकित्सीय आधार पर सेवा से सेवानिवृत्ति की अनुमति दी जाती है।

(ख) सेवा के उस सदस्य पर जिसे अध्ययन अवकाश से कार्य पर उपस्थित होने के पश्चात् शासन के नियंत्रण के अधीन किसी नियामक अथवा स्वायत्त संस्था अथवा संस्थान में, प्रतिनिधित्व पर भेजा जाता है तथा उसके बाद लोकहित में स्थायी रूप से उच्च नियामक अथवा स्वायत्त संस्था अथवा संस्थान में सविलयन हेतु शासन के अधीन सेवा से त्यागपत्र देने की अनुमति दी जाती है।

2(क) ऐसे सेवा के सदस्य द्वारा उपभोग किए गए अध्ययन अवकाश को, उस तिथि को उसके खाते में जमा नियमित अवकाश में परिवर्तित किया जाएगा जब उसका अध्ययन अवकाश प्रारम्भ हुआ था, अध्ययन अवकाश की निरंतरता में, इस उद्देश्य के लिए उचित रूप से समायोजित करते हुए लिया गया कोई अवकाश एवं अध्ययन अवकाश की अवधि का शेष, यदि कोई हो, जिसे इस प्रकार परिवर्तित नहीं किया जा सकता, असाधारण अवकाश के रूप में माना जाएगा।

(ख) उप-नियम (1) के अंतर्गत सेवा के सदस्य द्वारा वापस की जाने वाली राशि के अतिरिक्त, उसे अध्ययन अवकाश के परिवर्तन के कारण प्राप्त अवकाश वेतन से अधिक कोई भी अधिक अवकाश वेतन की बराबर में आहरित किया गया है, वापस करना अपेक्षित होगा।

(3) इस नियम में कुछ भी होते हुए, राष्ट्रपति, यदि ऐसा करना आवश्यक अथवा समीचीन हो, लोकहित में अथवा प्रकरण अथवा प्रकरणों के वर्गों की विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, आदेश के द्वारा सेवाओं के सदस्यों के वर्ग अथवा संबद्ध सेवा के सदस्य द्वारा उप-नियम (1) के अंतर्गत वापस की जाने वाली अपेक्षित राशि को अधिकतम अथवा कम कर सकता है।

अध्याय VI

अवकाश वेतन एवं अवकाश का नकदीकरण

55. अवकाश वेतन.—(क) उपाजित अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को उपाजित अवकाश पर जाने के तुरंत पूर्व आहरित किए गए वेतन के समतुल्य अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जाता है।

(ख) अर्धवेतन अवकाश अथवा अर्ध अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को उप-नियम (क) में विनिर्दिष्ट राशि के आधे के समतुल्य अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जाता है।

(ग) परिवर्तित अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को उप-नियम (क) के अंतर्गत ग्रहण राशि के समतुल्य अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जाता है।

(घ) असाधारण अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को कोई अवकाश वेतन हेतु अधिकृत नहीं किया जाता है।

(ङ) विशेष निःशक्तता अवकाश पर गए हुए सेवा के सदस्य को 120 दिवसों की आरंभिक अवधि के संबंध में, उप-नियम (क) के अनुसार अवकाश वेतन हेतु अधिकृत किया जाएगा।

(च) उप-नियम (क) में विनिर्दिष्ट राशि के समान 120 दिवसों की आरंभिक अवधि के अवकाश वेतन से परे विशेष निःशक्तता अवकाश के संबंध में, सेवा के सदस्य को उसके विकल्प पर उसको देय उपाजित अवकाश के दिवसों की संख्या तक सीमित अवधि हेतु प्रदान किया जा सकता है एवं ऐसे मामले में उपाजित अवकाश खाता इस उप-नियम के अंतर्गत प्रदान की गई अवकाश वेतन के दिवसों की संख्या के आधे से विकलित किया जाएगा।

(छ) उप-नियम (ङ) एवं (च) के अंतर्गत न आने वाली किसी अवधि के संबंध में विशेष निःशक्तता अवकाश के दौरान अवकाश वेतन उप-नियम (ख) में विनिर्दिष्ट दर से होगा।

(ज) सेवा के सदस्य को पुनर्नियुक्ति की अवधि के दौरान उनके द्वारा उपाजित अवकाश प्रदान किए जाने की स्थिति में, अवकाश वेतन, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभ तुल्य पेंशन को छोड़कर उनके द्वारा आहरित वेतन पर आधारित होगा।

(झ) इन नियमों के अंतर्गत देय अवकाश वेतन भारत में रुपयों में आहरित किया जाएगा।

56. सेवानिवृत्ति, अनिवार्य सेवानिवृत्ति अथवा सेवा त्यागने की तिथि से परे अवकाश के बदले में अवकाश/नगद भुगतान.—(1) सेवा के सदस्य को निम्न तिथि के परे अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा—

(क) उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि से, अथवा

(ख) उसके अंतिम रूप से कार्यों को बंद करने की तिथि से, अथवा

(ग) अपनी सेवा की निबंधन एवं शर्तों के अनुसार उस तिथि से जब वह शासन को नोटिस देकर सेवानिवृत्त होता है

अथवा वह शासन के द्वारा नोटिस देकर अथवा ऐसे नोटिस के बदले में वेतन एवं भत्ते देकर सेवानिवृत्त किया जाता है, अथवा

(घ) सेवा से उसके त्यागपत्र देने की तिथि से।

(2)(क) जहां सेवा का सदस्य दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा के नियम 26-बी के अंतर्गत अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सेवानिवृत्त होता है तो अवकाश प्रदान करने वाला सक्षम प्राधिकारी स्वप्रेरणा से उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि को सेवा के सदस्य के खाते में जमा उपाजित अवकाश, यदि कोई हो, हेतु अवकाश वेतन के समान नगद राशि, अधिकतम 300 दिवसों के अध्यक्षीन, प्रदान करते हुए आदेश जारी करेगा।

(ख) खंड (क) के अंतर्गत समतुल्य राशि की गणना निम्नानुसार की जाएगी एवं जो सकृत व्यवस्थापन के रूप में एकमुश्त देय होगी। इसमें आवास किराया भत्ता अथवा प्रतिकरात्मक (नगर) भत्ता देय नहीं होगा—

सेवानिवृत्ति की तिथि को
ग्राह्य वेतन + उस तिथि
को ग्राह्य महंगाई भत्ता

समतुल्य नकद राशि = $\frac{\text{सेवानिवृत्ति की तिथि को ग्राह्य वेतन + उस तिथि को ग्राह्य महंगाई भत्ता}}{30}$ ×

सेवानिवृत्ति की
तिथि को खाते
में जमा
अनुपयेजित
उपाजित अवकाश
के दिवसों की संख्या, अधिकतम
300 दिवसों के अध्यक्षीन

(3) सेवा का सदस्य जो निलम्बन के दौरान अथवा जिसके विरुद्ध अनुशासनात्मक अथवा आपराधिक कार्यवाही लम्बित है, सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवा से सेवानिवृत्त होता है, के मामले में, अवकाश प्रदान करने वाला सक्षम प्राधिकारी उपाजित अवकाश के समतुल्य नगद राशि के पूर्ण अथवा किसी भाग को रोक सकता है, यदि ऐसे प्राधिकारी की राय में उसके विरुद्ध कार्यवाही की समाप्ति पर कुछ राशि उससे वसूली योग्य होने की संभावना है। कार्यवाही की समाप्ति पर, वह इस प्रकार रोकी गई राशि को सरकारी देयों, यदि कोई हो, के समायोजन के पश्चात् प्राप्त करने के योग्य होगा।

(4)(क) जहां लोकहित में सेवा के सदस्य की सेवा उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि से परे विस्तारित की गई हो तो उसे निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है—

(i) विस्तार की अवधि के दौरान ऐसे विस्तार की अवधि के संबंध में देय कोई उपाजित सेवानिवृत्ति की तिथि को उसके खाते में जमा अधिकतम 300 दिवसों के अध्यक्षीन उपाजित अवकाश सहित।

(ii) विस्तार की अवधि की समाप्ति के पश्चात्, सेवानिवृत्ति की तिथि को उसके खाते में जमा उपाजित अवकाश के संबंध में उप-नियम (2) में उपबोधित रीति के अनुसार

समतुल्य नकद, विस्तार की अवधि के दौरान उपार्जित किए गए अधिकतम 300 दिवसों के अध्यक्षीन उपार्जित अवकाश जो ऐसी अवधि के दौरान उपभोग किए गए उपार्जित अवकाश से घटाए गए हों, के सहित।

(ख) इस उप-नियम के खण्ड (क) के उप-खण्ड (ii) के अंतर्गत देय समतुल्य नकद की गणना उपरोक्त उप-नियम (2) के खण्ड (ख) में निर्दिष्ट रीति से की जाएगी।

(5) एक सेवा का सदस्य जो उप-नियम (1) के खण्ड (ख) में वर्णित रीति से सेवानिवृत्त होता है अथवा सेवानिवृत्त किया जाता है, अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी स्वप्रेरणा से अधिकतम 300 दिवसों के अध्यक्षीन उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के संबंध में अवकाश वेतन एवं उसके खाते में जमा सभी अर्धवेतन अवकाश के संबंध में भी समतुल्य नकद प्रदान कर सकता है बशर्तें वह अवधि, उस तिथि को जब वह सेवा से सेवानिवृत्त होता है अथवा सेवानिवृत्त किया जाता है एवं उस तिथि को जो उसकी सेवा को विनियमित करने वाली निबंधन एवं शर्तों के अंतर्गत सेवानिवृत्ति हेतु विहित आयु प्राप्त करने के पश्चात् साधारण अनुक्रम में सेवानिवृत्त होता है के बीच की अवधि से अधिक नहीं होती हो। समतुल्य नकद, उपार्जित अवकाश हेतु स्वीकार्य अवकाश वेतन के समान एवं/अथवा अर्धवेतन अवकाश हेतु स्वीकार्य अवकाश वेतन के समान, सेवा के सदस्य के सेवा से इस प्रकार सेवानिवृत्त होने अथवा सेवानिवृत्त किए जाने की तिथि से प्रवृत्त दरों से प्रथम 300 दिवसों हेतु अवकाश वेतन पर स्वीकार्य महंगाई भत्ता सहित, होगा। पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के समतुल्य पेंशन एवं पेंशन पर तदर्थ अनुतोष/वर्गीकृत अनुतोष को अर्धवेतन अवकाश की अवधि हेतु भुगतान किए गए अवकाश वेतन, यदि कोई हो, जिसके लिए समतुल्य नकद देय है, से घटा दिया जाएगा। इस प्रकार संगठित की गई राशि सकृत व्यवस्थापन के रूप में एकमुश्त दी जाएगी। आवास किराया भत्ता अथवा प्रतिवाक्यत्सक (नगर) भत्ता देय नहीं होगा :

परन्तु यह कि यदि अर्धवेतन अवकाश घटक हेतु अवकाश वेतन पेंशन एवं अन्य पेंशन लाभों से कम होता है तो अर्धवेतन अवकाश के समतुल्य नकद प्रदान नहीं किया जाएगा।

(6) (क) (i) जहाँ सेवा के सदस्य की सेवाएं नोटिस के द्वारा, अथवा नोटिस के बदले में वेतन एवं भत्तों के द्वारा अथवा अन्यथा उसकी नियुक्ति के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार समाप्त की जाती है तो उसे अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से उस तिथि को जब उसका सेवा में होना समाप्त होता हो, उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के संबंध में अधिकतम 300 दिवसों के अध्यक्षीन समतुल्य नकद प्रदान किया जा सकता है।

(ii) यदि सेवा का सदस्य त्यागपत्र देता है अथवा सेवा को छोड़ता है तो उसे अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी के द्वारा, स्वप्रेरणा से, सेवा के समाप्त होने की तिथि को उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के संबंध में उसके खाते में जमा ऐसे अवकाश के आधे की सीमा तक, अधिकतम 150 दिवसों के अध्यक्षीन, समतुल्य नकद प्रदान किया जा सकता है।

(iii) एक सेवा का सदस्य जिसे सेवानिवृत्ति के पश्चात् पुनर्नियुक्त किया जाता है, उसकी पुनर्नियुक्ति की समाप्ति पर उसे अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा, स्वप्रेरणा से, पुनर्नियुक्ति की समाप्ति की तिथि को उसके खाते में जमा उपार्जित अवकाश के संबंध में उस अवधि को सम्मिलित करते हुए जिसके लिए उसको सेवानिवृत्ति के समय नकदीकरण अनुज्ञात किया गया था, अधिकतम 300 दिवसों के अध्यक्षीन समतुल्य नकद प्रदान किया जा सकता है।

(ख) खंड (क) के अंतर्गत देय नकद समतुल्य की गणना खंड (ख) के उप-नियम (2) में दी गई रीति से की जाएगी तथा खंड (क) के उप-खंड (3) के अंतर्गत नकद समतुल्य की संगणना के प्रयोजन हेतु, पुनः रोजगार की समाप्ति की तिथि पर वेतन वह वेतन होगा जो पेंशन के समायोजन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के समतुल्य पेंशन से पूर्व पुनः रोजगार के पद के वेतनमान में नियत की गई है, एवं उस वेतन के लिए उपयुक्त महंगाई भत्ता।

57. सेवा में मृत्यु के मामले में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद.—ऐसे मामले में यदि सेवा के सदस्य की सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है तो अवकाश वेतन के समतुल्य नकद राशि जिसे मृतक कर्मचारी यदि वह उपार्जित अवकाश पर जाने की स्थिति में प्राप्त करता जो कि उसे देय एवं स्वीकार्य थी तो नियम 59 में विनिर्दिष्ट नियमानुसार उसकी मृत्यु के उपरान्त अगले दिवस से उसके परिवार को मृत्यु एवं सेवानिवृत्ति ग्रेज्युटी के समतुल्य पेंशन खाते में बिना किसी कटौती के अदा कर दी जाएगी जो कि 300 दिन के अवकाश वेतन से अधिक नहीं होगी।

58. सेवा से असमर्थ होने के मामले में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद.—सेवा का सदस्य जिसे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे की सेवा के लिए पूर्ण एवं स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किया जाए तो उसे अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से उसके सेवा से अक्षम होने की तिथि को देय एवं स्वीकार्य के संबंध में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद दिया जाएगा, बशर्तें कि अवकाश की अवधि जिसके लिए उसे समतुल्य नकद स्वीकृत किया गया है उस तिथि से परे विस्तारित न होती हो जिस तिथि को वह उसकी सेवा को विनियमित करने वाले निबंधन एवं शर्तों के अंतर्गत सेवानिवृत्ति हेतु विहित वय को प्राप्त करने के पश्चात् सामान्य क्रम में सेवानिवृत्ति हो जाता। इस प्रकार देय समतुल्य नकद नियम 56 के उप-नियम (5) के अंतर्गत संगठित किए गए अवकाश वेतन के समान होगा।

59. सेवा के सदस्य की मृत्यु, आदि की स्थिति में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद का भुगतान.—सेवा के सदस्य की सेवा के दौरान अथवा सेवानिवृत्ति के पश्चात् अथवा कार्यों की अंतिम समाप्ति के पश्चात् मृत्यु की दशा में, परन्तु नियम 56, 57 व 58, के अंतर्गत देय अवकाश वेतन के उस समतुल्य नकद की वास्तविक प्राप्ति के पूर्व, ऐसी राशि निम्न को देय होगी—

(i) विधवा को, एवं जहाँ एक से अधिक विधवाएँ हैं, यदि मृतक सेवा का सदस्य एक पुरुष है, तो सबसे बड़ी जीवित विधवा को अथवा यदि मृतक सेवा का सदस्य एक महिला है तो उसके पति को;

स्पष्टीकरण : अभिव्यक्ति "सबसे बड़ी जीवित विधवा" से तात्पर्य जीवित विधवाओं की विवाह की तिथि के अनुसार वरिष्ठता के सन्दर्भ में होगा एवं न कि उनकी वय के सन्दर्भ में :

- (ii) विधवा अथवा पति के अभाव में, जैसा भी मामला हो, सबसे बड़े जीवित पुत्र; अथवा गोद लिए पुत्र को ;
- (iii) उपरोक्त (i) एवं (ii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित अविवाहित पुत्री को ;
- (iv) उपरोक्त (i) से (iii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित विधवा पुत्री को ;
- (v) उपरोक्त (i) से (iv) के अभाव में, पिता को ;
- (vi) उपरोक्त (i) से (v) के अभाव में, माता को ;
- (vii) उपरोक्त (i) से (vi) के अभाव में 18 वर्ष से कम आयु के सबसे बड़े जीवित भाई को ;
- (viii) उपरोक्त (i) से (vii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित अविवाहित बहन को ;
- (ix) उपरोक्त (i) से (viii) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित विधवा बहन को ;
- (x) उपरोक्त (i) से (ix) के अभाव में, सबसे बड़ी जीवित विवाहित पुत्री को ; एवं
- (xi) उपरोक्त (i) से (x) के अभाव में सबसे बड़े पूर्व मृत पुत्र के सबसे बड़े बच्चे को ।

60. सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः अथवा अंशतः स्वामित्वाधीन अथवा नियंत्रित स्वायत्त निकाय में स्थायी अन्तर्लयेन के मामले में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद :
सेवा का सदस्य जिसे केन्द्र अथवा राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः अथवा अंशतः नियंत्रित अथवा स्वामित्वाधीन कम्पनी अथवा निगम अथवा ऐसी एक अथवा एक से अधिक सरकार द्वारा नियंत्रित अथवा वित्त-पोषित निकाय में अथवा उसके अन्तर्गत सेवा में अथवा पद पर आमेलित होने की अनुमति दी गई है तो उसे अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से उसके अन्तर्लयेन की तिथि को उसके खाते में जमा उपाजित अवकाश के विषय में अवकाश वेतन के समतुल्य नकद जो अधिकतम 300 दिवसों के अध्यक्षीन होगा, स्वीकृत की जाएगी। इसकी गणना उसी रीति से की जाएगी जैसा कि नियम 56 के उप-नियम (2) के खंड (ख) में इंगित किया गया है।

61. अवकाश वेतन का अग्रिम—सेवा का सदस्य जो एक ऐसी अवधि हेतु अवकाश पर जा रहा है जो 30 दिवसों से कम नहीं है, उसे एक मास के वेतन तक अवकाश वेतन एवं उस अवकाश वेतन पर स्वीकार्य भत्तों जो आयकर, भविष्य निधि, मकान किराया, अग्रिम की वसूली, आदि के खातों में कटौती के अध्यक्षीन होगा, के स्थान पर अग्रिम हेतु अनुज्ञात किया जाएगा।

62. उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के समय अवकाश वेतन के समतुल्य नकद.—जहां सेवा का एक सदस्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होता है तो सरकार स्वप्रेरणा से उन्हें नियम 20 के अनुसार अवकाश के समतुल्य नकद मंजूर करेगी, मानों कि वह ऐसी नियुक्ति से एक दिवस पूर्व सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे।

2534 D6/14-3

63. अवकाश यात्रा छूट का उपभोग करते समय उपाजित अवकाश का नकदीकरण.—(क) सेवा के सदस्य को अवकाश यात्रा छूट का उपभोग करते समय उसके खाते में जमा कुल उपाजित अवकाश में से दस दिवसों के उपाजित अवकाश का नकदीकरण मंजूर किया जाएगा यदि—

- (i) इस नियम के अंतर्गत ऐसे सदस्य के पूर्ण सेवाकाल के दौरान नकदीकरण किए गए कुल उपाजित अवकाश 60 दिवसों से अधिक न होते हो।

स्पष्टीकरण : अवकाशों के नकदीकरण की समान संख्या पति/पत्नी द्वारा भी उपभोग की जा सकती है, यदि कार्यरत हों।

- (ii) सेवा के सदस्य के खाते में अवकाश यात्रा छूट के दौरान उपाजित अवकाश का उपभोग करने के उपरांत कम से कम 30 दिवसों का उपाजित अवकाश शेष रहता है।

(ख) उप-नियम (क) के अंतर्गत उपाजित अवकाश के नकदीकरण के मामले में स्वीकार्य राशि तत्समान अवकाश वेतन के बराबर होगी।

स्पष्टीकरण : एल.टी.सी. का उपभोग करने के समय 10 दिवसों तक के उपाजित अवकाश के नकदीकरण का संबंध एल.टी.सी. पर जाने के समय दिवसों की संख्या एवं अवकाश की प्रकृति से नहीं किया जाएगा।

64. सेवा के दौरान अवकाश का नकदीकरण.—(क) सेवा का सदस्य उसके अथवा उसकी सेवा के प्रत्येक दो वर्षों के उपरांत एक मास के समतुल्य वेतन के नकदीकरण का अधिकारी होगा ;

(ख) देय राशि दो वर्ष की खण्ड अवधि के अंतिम मास के लिए देय राशि के समान अवकाश वेतन होगी ;

(ग) इस नियम के अंतर्गत नकदीकरण किए गए उपाजित अवकाश को सेवा के सदस्य द्वारा कुल नकदीकरण योग्य उपाजित अवकाश में से अधिवर्षिता, त्यागपत्र अथवा मृत्यु, जैसी भी स्थिति हो, के समय नहीं काटा जाएगा।

अध्याय VII

विधिव

65. व्यक्तिगत मामलों में नियमों के उपबंधों का शिथिलीकरण : जहां उच्च न्यायालय संतुष्ट होता है कि इन नियमों में से किसी का भी कार्यान्वयन सेवा के सदस्य को असम्यक् कष्टकारित करता है अथवा कारित किए जाने की संभावना है, तो वह, ऐसा करने के कारणों को अभिलिखित करने के उपरांत एवं इन नियमों में किसी में कुछ भी अंतर्विष्ट होते हुए भी, ऐसे सदस्य के मामले को ऐसे ढंग से संव्यवहार करेगा जैसा कि उसे न्यायसंगत एवं साम्यापूर्ण प्रतीत हो :

परन्तु मामले को ऐसे किसी ढंग से संव्यवहार नहीं किया जाएगा जो ऐसे सदस्य के लिए कम अनुकूल हो, अपेक्षाकृत जैसा कि इन नियमों में विहित है।

66. व्याख्या : यदि इन नियमों की व्याख्या से सम्बन्धित कोई प्रश्न उठता है तो वह उच्च न्यायालय द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

67. अवशिष्ट मामले : अवकाशों से संबंधित सभी ऐसे मामलों के सम्बन्ध में जिनके लिए इन नियमों में कोई उपबंध न हो अथवा अपर्याप्त उपबंध हों तो भारत संघ के कार्यकलाप से सम्बन्धित कार्य करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा में तुल्य स्तर के अधिकारियों पर लागू होने वाले अखिल भारतीय सेवा (अवकाश) नियम, 1955, जैसा कि समय-समय पर संशोधित अथवा आदेशों अथवा जारी किए गए निदेश लागू होंगे।

प्रथम अनुसूची

[नियम 4(सी) देखें]

अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी

क्रम संख्या	अवकाश का प्रकार	अवकाश स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)
1.	उपाधित अवकाश, अर्धवेतन अवकाश, परिवर्तित अवकाश, अदेय अवकाश, प्रसूति अवकाश, पितृत्व अवकाश, शिशु अंगीकरण अवकाश, शिशु देख-रेख अवकाश, आकस्मिक अवकाश, विशेष आकस्मिक अवकाश, विशेष रुग्णता अवकाश, प्रतिकरात्मक अवकाश	सम्बन्धित जिला के जिला न्यायाधीश
2.	विशेष नियोग्यता अवकाश, अध्ययन अवकाश एवं असाधारण अवकाश	उच्च न्यायालय

द्वितीय अनुसूची

[नियम 4(जी) देखें]

प्रारूप 1

(नियम 12 देखें)

अवकाश अथवा अवकाश विस्तार विस्तार हेतु आवेदन

1. आवेदक का नाम
2. धारित पद
3. पदस्थापना का स्थान
4. आवेदित अवकाश की प्रकृति एवं अवधि तथा तिथि जब से अपेक्षित हो
5. अवकाश के साथ प्रस्तावित होने वाले पूर्व-योजित/पश्चयोजित, रविवार एवं अवकाश, यदि कोई हो
6. आवेदित अवकाश हेतु आधार
7. अवकाश अवधि के दौरान पता

आवेदक के हस्ताक्षर

(तिथि सहित)

8. नियंत्रक अधिकारी की टिप्पणियां एवं/अथवा अनुशंसा

हस्ताक्षर (तिथि सहित)

पदनाम

अवकाश की ग्राह्यता से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र

9. प्रमाणित किया जाता है कि दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा नियम (अवकाश) के नियम के अंतर्गत (अवधि) दिनांक से तक का (अवकाश की प्रकृति) ग्राह्य है।

हस्ताक्षर (तिथि सहित)

पदनाम

10. अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी के आदेश

हस्ताक्षर (तिथि सहित)

पदनाम

प्रारूप 2

(नियम 12 देखें)

एल.टी.सी. का उपभोग करते समय अवकाश अथवा अवकाश के विस्तार हेतु आवेदन

1. आवेदक का नाम
2. धारित पद
3. पदस्थापना का स्थान
4. वेतन
5. आवेदित अवकाश की प्रकृति एवं अवधि तथा तिथि जब से अपेक्षित हो
6. अवकाश के साथ प्रस्तावित होने वाले पूर्व-योजित/पश्च-योजित रविवार एवं अवकाश, यदि कोई हो
7. आवेदित अवकाश हेतु आधार
8. अगामी अवकाश के दौरान खण्ड वर्ष हेतु मैं स्वयं अवकाश यात्रा छूट का उपभोग करने का प्रस्ताव करता हूँ
9. अवकाश अवधि के दौरान पता

आवेदक के हस्ताक्षर

(तिथि सहित)

10. नियंत्रक अधिकारी की टिप्पणियां एवं/अथवा अनुशंसा

हस्ताक्षर (तिथि सहित) पदनाम

अवकाश की ग्राह्यता से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र

11. प्रमाणित किया जाता है कि केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 1972 के नियम के अंतर्गत (अवधि) दिनांक से तक का (अवकाश की प्रकृति) ग्राह्य है।

हस्ताक्षर (तिथि सहित पदनाम)

12. अवकाश प्रदान करने वाले सक्षम प्राधिकारी के आदेश

हस्ताक्षर (तिथि सहित) पदनाम

प्रकरण 3

[नियम (3 देखें)]

अवकाश लेखा का प्रकरण

सरकारी कर्मचारियों का नाम नमः विधि स्थायी/स्थायी नियोजन की विधि
 सेवा से अवकाश लेने की तिथि
 सेवा निवृत्ति/अवकाश की तिथि

नौसेना अर्पण में सेवा का विवरण		अर्पित अवकाश																	अर्पित अवकाश			अवकाश	
		कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण			लिखा गया अवकाश			कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण			अर्पित अवकाश			कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण			अर्पित अवकाश			अवकाश			
					से	तक	दिवसों की संख्या				से	तक	दिवसों की संख्या				से	तक	दिवसों की संख्या				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20				
			कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण	कर्मचारी अर्पण में सेवा का विवरण				

लिखा गया

पूर्ण वेतन पर चिकित्सा प्रमाण पत्र पर परिवर्तित अवकाश				अर्ध वेतन अवकाश में संपरिवर्तित किए गए पर परिवर्तित अवकाश (स्लॉप 22 व 25 का योग)				चिकित्सा प्रमाण पत्र पर				संपूर्ण काल में 360 दिवसों तक सीमित अर्ध अवकाश				कुल अर्ध अवकाश (स्लॉप 29+32) 29+32)	कुल लिए गए अर्धवेतन अवकाश (स्लॉप 19+ 26+33)	अवकाश से जपत होने पर अर्ध वेतन अवकाश का शेष (स्लॉप 16-34)	अन्य प्रकार के लिए गए अवकाश
से	तक	दिवसों की संख्या	दिवसों की संख्या	से	तक	दिवसों की संख्या	दिवसों की संख्या	से	तक	दिवसों की संख्या	अवकाश, 180 दिवसों तक सीमित	दिवसों की संख्या	से	तक	दिवसों की संख्या				
20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36			

निष्पत्ति 1 : देव उदात्तित अवकाश को दिवसों में परिवर्तित किए गए अवकाश

टिप्पण 1 : देव उपार्जित अवकाश को दिवसों में अभिव्यक्त किया जाना चाहिए।

टिप्पण 2 : जब शासकीय कर्मचारी को किसी विशिष्ट अर्ध वर्ष के अनुक्रम के दौरान नियुक्त किया जाता है तो ई.ए.ए. को प्रत्येक पूर्ण हुए श्रेण में 2 1/2 दिवसों की दर से जमा करना चाहिए एवं एक दिवस का भाग निकटतम दिवस तक पूर्ण किया जाएगा।

टिप्पण 3 : स्लॉप 11 में प्रविष्टि पूर्ण दिवसों में होनी चाहिए। एक दिवस का भाग निकटतम दिवस तक पूर्ण किया जाएगा।

टिप्पण 4 : असाधारण अवकाश को अवधि लाल रंग से नोट की जानी चाहिए।

प्ररूप 4

(नियम 16 देखें)

सेवा के सदस्य हेतु चिकित्सा प्रमाण-पत्र अनुशंसित अवकाश अथवा अवकाश का विस्तार अथवा अवकाश का परिवर्तन

सेवा के सदस्य के हस्ताक्षर

मैं, मामले के सावधानीपूर्वक व्यक्तिगत परीक्षण के पश्चात्, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि श्री/श्रीमती/कुमारी जिनके हस्ताक्षर ऊपर दिए गए हैं से पीड़ित हैं एवं मेरा विचार है कि से कार्य से अनुपस्थिति की अवधि उनके स्वास्थ्य सुधार हेतु परम आवश्यक है।
दिनांक :

प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर

प्ररूप 5

[नियम 22(3) देखें]

कार्य में वापसी हेतु स्वास्थ्य का चिकित्सा प्रमाण-पत्र

सेवा के सदस्य के हस्ताक्षर

मैं, , पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मैंने श्री/श्रीमती/कुमारी जिनके हस्ताक्षर ऊपर दिए गए हैं, का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया है, एवं पाया कि वह अपनी बीमारी से स्वस्थ हो चुके हैं एवं अब शासकीय सेवा में कार्यों के पुनर्ग्रहण हेतु योग्य हैं। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि इस निर्णय पर पहुँचने से पूर्व मैंने मूल चिकित्सा प्रमाण पत्र(१) एवं [मामले के विवरण(१)] (अथवा उसकी प्रमाणित प्रतिलिपि) (यदि कोई हो) जिस पर अवकाश प्रदान किया गया था अथवा विस्तारित किया गया था एवं अपने निर्णय पर पहुँचने में इनको विचार में ले चुका हूँ।

दिनांक :

प्राधिकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर

टिप्पण :

उपरोक्त प्रमाण पत्र को जारी करने हेतु अपेक्षित प्राधिकारी के समक्ष मामले के मूल चिकित्सा प्रमाण पत्र(१) एवं विवरण(१) जिन पर अवकाश मूल रूप से प्रदान किया गया था अथवा विस्तारित किया गया था, प्रस्तुत किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए मामले के मूल प्रमाण पत्र(१) एवं विवरण(१) को दो प्रतियों में तैयार किया जाना चाहिए, एक प्रति सम्बद्ध सेवा के सदस्य द्वारा प्रतिधारित करते हुए।

प्ररूप 6

(नियम 44 देखें)

सेवा के सदस्य द्वारा निष्पादित किया जाने वाले

बंध-पत्र जब वह अध्ययन अवकाश पर जा रहा हो

इस विलेख द्वारा सर्वसाधारण को ज्ञात हो कि मैं,

निवासी जिला वर्तमान में दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा में के पद पर नियोजित, एतद्वारा स्वयं को एवं अपने उत्तराधिकारियों, निष्पादकों एवं प्रशासकों को भारत के राष्ट्रपति (एतदपश्चात् 'सरकार' कहा जाए) को मांग पर राशि रु. (रुपए मात्र) उस पर ब्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी ऋणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान हेतु आबद्ध करता हूँ, यदि भुगतान भारत के अलावा अन्य किसी देश में किया जाता है तो भारत एवं उस देश के मध्य शासकीय विनिमय दर पर परिवर्तित उस देश की मुद्रा में कथित राशि के समतुल्य एवं न्यायवादी एवं पक्षीकार के मध्य सभी शुल्कों एवं सभी प्रभारों एवं व्यय जो सरकार के द्वारा उपगत किए जाएंगे अथवा किए जा चुके हों के सहित।

जबकि मुझे सरकार द्वारा अध्ययन अवकाश स्वीकृत किया गया है।

एवं जबकि सरकार के और अधिक संरक्षण हेतु मैं इस बंध पत्र को ऐसी शर्तों के साथ निष्पादित करने हेतु सहमत हूँ जैसी कि निम्नलिखित हैं :

अब उपरिलिखित बाध्यता की शर्त यह है कि मेरे कार्य के पुनर्ग्रहण करने में असफल होने, अथवा सेवा से त्याग-पत्र अथवा सेवानिवृत्त होने अथवा अध्ययन अवकाश की अवधि के समाप्त अथवा अंत होने के पश्चात् कार्य में वापस आए बिना सेवा को अन्यथा छोड़ देने अथवा अध्ययन के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में असफल होने अथवा मेरे कार्य में वापस आने के पश्चात् तीन वर्षों की अवधि के भीतर किसी भी समय, की स्थिति में मैं सरकार को अथवा सरकार द्वारा जैसा निर्देशित हो मांग पर कथित राशि रु. (रुपए मात्र) उस पर ब्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी ऋणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान करूंगा।

एवं मेरे द्वारा ऐसा भुगतान करने पर, उपरिलिखित बाध्यताएं शून्य एवं प्रभावहीन होंगी, अन्यथा ये पूर्णतः प्रवृत्त एवं बलशील होंगी।

बंध पत्र सभी प्रकार से तत्समय प्रवृत्त भारत की विधि के द्वारा शासित किया जाएगा तथा जहां आवश्यक हो, भारत में समुचित न्यायालयों द्वारा अधिकारों एवं दायित्वों के अधीन तदनुसार अवधारित किया जाएगा।

इसे दिवस माह वर्ष दो हजार को हस्ताक्षरित एवं दिनांकित किया गया।

..... के द्वारा

हस्ताक्षरित एवं परिदत्त

साक्ष्यों : 1

2

की उपस्थिति में

भारत के राष्ट्रपति के निमित्त और उसकी ओर से स्वीकृत

प्रारूप 7

(नियम 44 देखें)

सेवा के सदस्य द्वारा निष्पादित किया जाने वाला बंध पत्र जब उनको अध्ययन अवकाश का विस्तार प्रदान किया गया हो

इस विलेख द्वारा सर्वसाधारण को ज्ञात हो कि मैं, निवासी जिला वर्तमान में दिल्ली टाऊनर न्यायिक सेवा में के पद पर नियोजित, एतद्वारा स्वयं को एवं अपने उत्तराधिकारियों, निष्पादकों एवं प्रशासकों को भारत के राष्ट्रपति (एतदपश्चात् 'सरकार' कहा जाए) को मांग पर राशि रु. (रुपए मात्र) उस पर व्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी ऋणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान हेतु आबद्ध करता हूँ यदि भुगतान भारत के अलावा अन्य देश में किया जाता है तो भारत एवं उस देश के मध्य शासकीय विनिमय दर पर परिवर्तित उस देश की मुद्रा में कथित राशि के समतुल्य एवं न्यायवादी एवं कक्षीकार के मध्य सभी शुल्कों एवं सभी प्रभारों एवं व्यय जो सरकार के द्वारा उभगत किए जाएंगे अधिकाधिक किए जा चुके हों के सहित।

जबकि मुझे सरकार द्वारा दिनांक से तक की अवधि हेतु अध्ययन अवकाश प्रदान किया गया था जिसके प्रतिफल स्वरूप मैंने भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में रु. (रुपए मात्र), दिनांक का बंधपत्र निष्पादित किया है।

एवं जबकि मेरी प्रार्थना पर मुझे तक अध्ययन अवकाश का विस्तार प्रदान किया गया है।

एवं जबकि सरकार के और अधिक संरक्षण हेतु मैं इस बंध-पत्र को ऐसी शर्तों के साथ निष्पादित करने हेतु सहमत हूँ जैसी कि निम्नलिखित हैं :

अब उपरिलिखित बाध्यता की शर्त यह है कि मेरे कार्य के पुनर्ग्रहण करने में असफल होने, अथवा सेवा से त्यागपत्र अथवा सेवानिवृत्त होने अथवा अध्ययन अवकाश की अवधि के समाप्त अथवा अंत होने के पश्चात् कार्य में वापस आए बिना सेवा को अन्यथा छोड़ देने अथवा अध्ययन के कार्यक्रम को पूर्ण करने में असफल होने अथवा मेरे कार्य में वापस आने के पश्चात् तीन वर्षों की अवधि के भीतर किसी भी समय, की स्थिति में मैं सरकार को अथवा सरकार द्वारा जैसा निर्देशित हो मांग पर कथित राशि रु. (रुपए मात्र) उस पर व्याज सहित मांग की तिथि से सरकारी ऋणों पर तत्समय प्रवृत्त सरकारी दरों पर भुगतान करूंगा।

एवं मेरे द्वारा ऐसा भुगतान करने पर, उपरिलिखित बाध्यताएं शून्य एवं प्रभावहीन होंगी, अन्यथा ये पूर्णतः प्रवृत्त एवं बलशील होंगी।

बंध-पत्र उसी प्रकार से तत्समय प्रवृत्त भारत की विधि के द्वारा शासित किया जाएगा तथा जहां आवश्यक हो, भारत में समुचित न्यायालयों द्वारा अधिकारों एवं दायित्वों के अधीन तदनुसार अवधारित किया जाएगा।

इसे दिवस माह वर्ष दो हजार को हस्ताक्षरित एवं दिनांकित किया गया।

..... के द्वारा

हस्ताक्षरित एवं परिदत्त

साक्ष्यों : 1.

2.

की उपस्थिति में

भारत के राष्ट्रपति के निमित्त और
उसकी ओर से स्वीकृत

परिशिष्ट 1

आकस्मिक अवकाश प्रदानित करने के संदर्भ में नियम :

आकस्मिक अवकाश छुट्टी का मान्यता प्राप्त रूप नहीं होता और सेवा का सदस्य द्वारा बनाए गए किसी नियम के अधधीन नहीं आता।

आकस्मिक अवकाश पर गया पदधारी अपने कर्तव्यकाल में अनुपस्थित नहीं समझा जाता और उसका वेतन नहीं रुकता।

1. आकस्मिक अवकाश विशेष आकस्मिक अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है परन्तु किसी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ नहीं।

2. यह पद-ग्रहण समय के साथ संयोजित नहीं किया जा सकता।

3. आकस्मिक अवकाश की कालावधि में आने वाले रविवार एवं छुट्टियां आकस्मिक अवकाश के तौर पर नहीं गिनी जाती।

4. रविवार/सार्वजनिक अवकाश/निर्बाधित अवकाश/साप्ताहिक अवकाश आकस्मिक अवकाशों के आगे या पीछे जोड़े जा सकते हैं।
 5. प्रवास पर रहते हुए आकस्मिक अवकाश लिया जा सकता है परन्तु इस कालावधि हेतु दैनिक भत्ता ग्राह्य नहीं होगा।
 6. आकस्मिक अवकाश आधे दिन के लिए भी लिया जा सकता है।
 7. अल्पकालिक कालावधि हेतु आशयित, यह किसी समय पांच दिवसों से अधिक के लिए साधारण रूप से प्रदानित नहीं किया जा सकता।
 8. एल.टी.सी. का उपभोग आकस्मिक अवकाश के दौरान किया जा सकता है।
 9. सेवा का एक सदस्य कैलेंडर वर्ष के दौरान बारह आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा।
 10. मध्य वर्ष में पदग्रहण करने वाले अधिकारी सक्षम प्राधिकारी के विवेकाधिकार पर अनुपाततः अथवा पूर्ण कालावधि आकस्मिक अवकाश का उपभोग कर सकते हैं।
- टिप्पण :** समस्त कर्मचारियों के आकस्मिक अवकाश का लेखा उपावृद्धित प्रारूप में अनुरक्षित किया जाएगा।

अनुलग्नक

जिला		वर्ष	हेतु आकस्मिक											
अवकाश लेखा														
कार्य संख्या	नाम	लिए गए आकस्मिक अवकाश (तिथियाँ)												टिप्पणियाँ
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	

अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश :

- (i) किसी आवश्यक निजी कार्य के कारण सेवा के सदस्य को अर्ध-दिवसीय अवकाश पूर्वाह्न अथवा अपराह्न कार्यकाल हेतु प्रदान किया जा सकता है।
- (ii) दोपहर भोजनावकाश विभाजन रेखा होगी अर्थात् वह व्यक्ति जो पूर्वाह्न कार्यकाल हेतु अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश पर जाए वह दो बजे सायं आने हेतु अपेक्षित होगा। इसी प्रकार जो व्यक्ति अपराह्न कार्यकाल हेतु अवकाश पर जाए तो उसे 1:30 बजे सायं कार्यालय छोड़ने की अनुमति दी जा सकती है (1:30 बजे सायं से 2:00 बजे तक दोपहर भोजनावकाश होता है)।
- (iii) अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश पूरे दिन के आकस्मिक अवकाश के साथ दिया जा सकता है, परन्तु यह एक समय सामान्यतः अधिकतम आकस्मिक अवकाश प्रदान किए जाने के अन्वयधीन होंगे।

देर से आने के कारण अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश विकलित किया जाना :-

समय प्रालन प्रवर्तित करने एवं कार्य के दक्ष तथा तत्पर संव्यवहार को सुनिश्चित करने हेतु सेवा के सदस्य के आकस्मिक अवकाश लेखा से हर बार देर से आने पर एक अर्ध-दिवसीय आकस्मिक अवकाश विकलित कर लिया जाएगा परन्तु मास में दो अवसरों पर घंटा भर लेट होने के अतिरिक्त।

टिप्पण : ये संशोधन राजपत्र में अपने प्रकाशन होने की तिथि से प्रवृत्त होंगे।

न्यायालय के आदेशानुसार,

वी. पी. वैश्य, महानिबन्धक

HIGH COURT OF DELHI : NEW DELHI**NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th July, 2011

No. 315/Rules/DHC.—In exercise of powers conferred under Article 235 of the Constitution of India, Section 47 of the Punjab Courts Act, 1918 and all other powers enabling it in this behalf, the High Court of Delhi hereby makes the following Rules, in respect of Leave of Members of Delhi Higher Judicial Service :—

Delhi Higher Judicial Service (Leave) Rules, 2010**PRELIMINARY****CHAPTER I**

1. **Short Title :** These rules may be called Delhi Higher Judicial Service (Leave) Rules, 2010.

2. **Commencement :** These Rules will come into force from the date they are notified by the High Court of Delhi;

3. **Extent of application :** These rules shall apply to officers appointed to Delhi Higher Judicial Service.

4. **Definitions :** Unless the context otherwise requires :—

- (a) "*Accounts Officer*" means the officer, whatever his official designation, in whose District the office of the Member of the Service is situated;
- (b) "*Administrator*" means the Administrator appointed under Article 239 of the Constitution of India for the Union Territory of Delhi.
- (c) "*Authority competent to grant leave*" means the authority specified in Column (3) of the First Schedule to these rules, competent to grant the kind of leave specified in the corresponding entries in Column (2) of the said Schedule.
- (d) "*Date of retirement*" or "*date of his retirement*" in relation to a Member of Service, means the afternoon of the last day of the month in which a Member of Service, Service attains the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his services.
- (e) "*District Judge*" means the District Judge of the concerned district in which the Member of the Service is posted.
- (f) "*Duty*" means duty as a Member of the Service and includes :—
 - (i) service as probationer;
 - (ii) such other periods as the High Court may, by general or special order, declare as 'duty';
- (g) "*Form*" means a Form appended to the Second Schedule to these rules.
- (h) "*Government*" means Government of National Capital Territory of Delhi.

(i) "*High Court*" means "High Court of Delhi".

(j) "*Leave*" means and includes earned leave, half pay leave, commuted leave, leave not due, extraordinary leave, study leave, special disability leave, maternity leave, paternity leave, special causal leaves, special sick leaves, child care leave or any other authorized leave of absence.

(k) "*Leave Salary*" means the monthly amount admissible to a Member of Service who has been granted leave under these rules.

(l) "*Member of the Service*" means a person appointed to the service under the provisions of Delhi Higher Judicial Service Rules, 1970.

(m) "*Month*" means a calendar month.

(n) "*Service*" means the Delhi Higher Judicial Service constituted under Section 3 of the Delhi Higher Judicial Service Rules, 1970.

(o) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Fundamental Rules and Supplementary Rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Fundamental Rules and Supplementary Rules.

CHAPTER II**General Conditions**

5. **Right to leave:** (1) Leave cannot be claimed as of right.

(2) When the exigencies of service so require, leave of any kind may be refused or revoked by the authority competent to grant it, but it shall not be open to that authority to alter the kind of leave due and applied for except at the written request of the Member of Service.

6. **Regulation of claim to leave :** A Member of the Service's claim to leave is regulated by the rules in force at the time the leave is applied for and granted.

7. **Effect of dismissal, removal or resignation on leave at credit :** (1) Except as provided in Rule 56 and this rule, any claim to leave to the credit of a Member of Service, who is dismissed or removed or who resigns from Government service, ceases from the date of such dismissal or removal or resignation.

(2) Where a Member of Service applies for another post under the Government of India or under Government of NCT of Delhi but outside his parent department and if such application is forwarded through proper channel and the applicant is required to resign his post before taking up the new one, such resignation shall not result in the lapse of the leave to his credit.

(3) A Member of Service, who is dismissed or removed from service and is reinstated on appeal or revision,

shall be entitled to count for leave his service prior to dismissal or removal, as the case may be.

(4) A Member of Service, who having retired on compensation or invalid pension or gratuity is re-employed and allowed to count his past service for pension, shall be entitled to count his former service towards leave.

8. Commutation of one kind of leave into another : (1) At the request of a Member of Service, the authority which granted him leave may commute it retrospectively into leave of a different kind which was due and admissible to him at the time the leave was granted, but the Member of Service cannot claim such commutation as a matter of right :

Provided that no such request shall be considered unless received by such authority, or any other authority designated in this behalf, within a period of 30 days of the concerned Member of Service joining his duty on the expiry of the relevant spell of leave availed of by him.

(2) The commutation of one kind of leave into another shall be subject to adjustment of leave salary on the basis of leave finally granted to the Member of Service, that is to say, any amount paid to him in excess shall be recovered or any arrears due to him shall be paid.

NOTE.—Extraordinary leave granted on medical certificate or otherwise may be commuted retrospectively into leave not due subject to the provisions of Rule 27.

9. Combination of different kinds of leave : Except as otherwise provided in these rules, any kind of leave under these rules may be granted in combination with or in continuation of any other kind of leave.

Explanation.—Casual leave, which is not recognized as leave under these rules shall not be combined with any other kind of leave admissible under these rules except with special casual leave.

However, it may be possible, in some cases, that an officer has only half a day's casual leave to his credit and he avails of said casual leave in the afternoon and is unable to resume duty on the next working day, because of unexpected illness, or on some other compelling grounds and is thus constrained to take leave for that day. In such a circumstance he may be permitted by the competent authority to combine half a day's casual leave with regular leave if his absence on the next working day was due to sickness or on other compelling grounds. The officers who have however already applied for leave of the kind due and admissible to cover their absence for the subsequent working day and thereafter should not be allowed the last half a day's casual leave for the afternoon.

10. Maximum amount of continuous leave : (a) No Member of the Service shall be granted leave of any kind for a continuous period exceeding five years.

(b) Unless the High Court in view of the special circumstances of the case, determines otherwise, a Member of the Service who remains absent from duty for a

continuous period exceeding five years whether with or without leave, shall be deemed to have resigned from the service.

Note.—Provided that a reasonable opportunity to explain the reason for such absence shall be given to the Member of the Service before the provisions of sub-rule (b) are invoked.

11. Acceptance of service or employment while on leave. (1) A Member of Service while on leave, including leave preparatory to retirement shall not take up any service or employment elsewhere, including the setting up of a private professional practice as an Advocate, without obtaining the previous sanction of —

(a) the President, if the proposed services or employment lies elsewhere than in India; or

(b) the authority empowered to appoint him, if the proposed service or employment lies in India.

(2) (a) No Member of Service while on leave, other than leave preparatory to retirement shall ordinarily be permitted to take up any other service or employment.

(b) If grant of such permission is considered desirable in any exceptional case, the Member of Service may have his services transferred temporarily from his parent office to the office in which he is permitted to take up service or employment or may be required to resign his appointment before taking up any other service or employment.

(c) A Member of Service while on leave preparatory to retirement shall not be permitted to take up private employment. He may, however, be permitted to take up employment with a Public Sector Undertaking or a body controlled or financed by the Government and in that event also leave salary payable for leave preparatory to retirement shall be the same as admissible under Rule 55.

(3) (a) In case a Member of Service who has proceeded on leave preparatory to retirement is required, before the date of retirement for employment during such leave in any post under the Central Government in or outside India or with Government of NCT of Delhi and is agreeable to return to duty, the unexpired portion of the leave from the date of rejoining shall be cancelled.

(b) The leave so cancelled under Clause (a) shall be allowed to be encashed in the manner provided in sub-rule (2) of Rule 56.

CHAPTER III

Grant of and Return from Leave

12. Application for leave.—Any application for leave or for extension of leave shall be made in Form 1 or Form 2, as applicable, to the authority competent to grant leave.

13. Leave Account.—A leave account shall be maintained in Form 3 by the Accounts Officer in the office of the District Judge in respect of every Member of the Service.

NOTE.—The District Judge shall send a monthly statement of leave account of every Member of Service to the High Court by the 10th day of every succeeding month.

14. Verification of title to leave.—(1) No leave shall be granted to a Member of Service until a report regarding its admissibility has been obtained from the authority maintaining the leave account.

NOTE.—The order sanctioning leave shall indicate the balance of earned leave/half pay leave at the credit of the Member of Service.

(2) (a) Where there is reason to believe that the obtaining of admissibility report will be unduly delayed, the authority competent to grant leave may calculate, on the basis of available information, the amount of leave admissible to the Member of Service and issue provisional sanction of leave for a period not exceeding sixty days;

(b) The grant of leave under this sub-rule shall be subject to verification by the authority maintaining the leave account and a modified sanction for the period of leave may be issued, where necessary.

15. Leave not to be granted in certain circumstances.—Leave shall not be granted to a Member of Service whom a competent punishing authority has decided to dismiss, remove or compulsorily retire from government service.

16. Grant of leave on medical certificate.—(1) An application for leave on medical certificate made by any Member of the Service shall be accompanied by a medical certificate as per Form 4 given by an Authorised Medical Practitioner.

Explanation.—Authorized Medical Practitioner shall mean a person who is authorised to practice medicine under any government approved system of medicine;

(2) An Authorised Medical Practitioner shall not recommend the grant of leave in any case in which there appears to be no reasonable prospect that the Member of Service concerned will ever be fit to resume his duties and in such case, the opinion that the Member of Service is permanently unfit for government service shall be recorded in the medical certificate.

(3) The authority competent to grant leave may, at its discretion, secure a second medical opinion by requesting a Government Medical Officer not below the rank of a Civil Surgeon or Staff Surgeon, to have the applicant medically examined on the earliest possible date.

(4) It shall be the duty of the Government Medical Officer referred to in sub-rule (3) to express an opinion both as regards the facts of the illness and as regards the necessity for the amount of leave recommended and for that purpose may either require the applicant to appear before himself or before a Medical Officer nominated by himself.

(5) The grant of medical certificate under this rule does not in itself confer upon the Member of Service concerned any right to leave; the medical certificate shall be forwarded to the authority competent to grant leave and orders of that authority awaited.

(6) The authority competent to grant leave may, in its discretion, waive the production of a medical certificate in case of an application for leave for a period not exceeding three days at a time. Such leave shall not, however, be treated as leave on medical certificate and shall be debited against leave other than leave on medical grounds.

17. Leave to a Member of Service who is unlikely to be fit to return to duty.—(1)(a) When a Medical Authority has reported that there is no reasonable prospect that the Member of Service will ever be fit to return to duty, leave shall not necessarily be refused to such a Member of Service.

(b) The leave may be granted, if due, by the authority competent to grant leave on the following conditions:—

(i) if the Medical Authority is unable to say with certainty that the Member of Service will never again be fit for service, leave not exceeding twelve months in all may be granted and such leave shall not be extended without further reference to a Medical Authority;

(ii) if a Member of Service is declared by a Medical Authority to be completely and permanently incapacitated for further service, leave or an extension of leave may be granted to him after the report of the Medical Authority has been received, provided the amount of leave as debited to the leave account together with any period of duty beyond the date of the report of the Medical Authority does not exceed six months.

(2) A Member of Service who is declared by a Medical Authority to be completely and permanently incapacitated for further service shall—

(a) if he is on duty, not be invalidated from service during his service period;

(b) if he is already on leave, not be invalidated from service on the expiry of that leave or extension of leave, if any, granted to him under sub-rule (1).

18. Commencement and termination of leave.—Except as provided in Rule 19, leave ordinarily begins on the day on which the transfer of charge is effected and ends on the day preceding that on which the charge is resumed.

19. Combination of holidays with leave.—(1)(i) When the day, immediately preceding the day on which a Member of Service's leave (other than leave on medical certificate) begins or immediately following the day on which his leave expires, is a holiday or one of series of holidays, the Member of Service shall be deemed to have been permitted (except in cases

where for administrative reasons permission for prefixing/suffixing holidays to leave is specifically withheld) to leave his station at the close of the day before, or return to it on the day following such holiday or series of holidays.

(ii) In the case of leave on medical certificate—

(a) When a Member of Service is certified medically unwell to attend office, holiday(s), if any, immediately preceding the day he is so certified shall be allowed automatically to be prefixed to leave and the holiday(s) if any, immediately succeeding the day he is so certified (including that day) shall automatically be allowed to be suffixed to the leave, and

(b) When a Member of Service is certified medically fit for joining duty, holiday(s), if any, succeeding the day he is so certified (including that day) shall automatically be allowed to be suffixed to the leave.

(2) Unless the authority competent to grant leave in any case otherwise directs—

(a) if holidays are prefixed to leave, the leave and any consequent rearrangement of pay and allowances take effect from the day after the holidays; and

(b) if holidays are suffixed to leave, the leave is treated as having terminated and any consequent rearrangement of pay and allowances takes effect from the day on which the leave would have ended if holidays had not been suffixed.

20. Grant of leave beyond the date of retirement or appointment as the Judge of the High Court.—No leave shall be granted to a Member of the Service beyond the date on which he retires from service under Rule 16 of the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958 or appointed as the Judge of the High Court.

21. Recall to duty before expiry of leave.—(1) In case a Member of Service is recalled to duty before the expiry of his leave, such recall to duty shall be treated as compulsory in all cases and the Member of Service shall be entitled—

(a) if the leave from which he is recalled is in India, to be treated as on duty from the date on which he starts for the station to which he is ordered, and to draw—

(i) travelling allowance under rules made in this behalf for the journey; and

(ii) leave salary, until he joins his post, at the same rate at which he would have drawn it but for recall to duty;

(b) if the leave from which he is recalled is out of India, to count the time spent on the voyage to India as duty for purposes of calculating leave, and to receive—

(i) leave salary, during the voyage to India and for the period from the date of landing in India to the date of joining his post, at the same rate at which he would have drawn it but for recall to duty;

(ii) a free passage to India;

(iii) refund of his passage from India if he has not completed half the period of his leave by the date of leaving for India on recall or three months, whichever is shorter;

(iv) travelling allowance, under the rules for the time being in force, for travel from the place of landing in India to the place of duty.

22. Return from leave.—(1) A Member of Service on leave shall not return to duty before the expiry of the period of leave granted to him unless he is permitted to do so by the authority which granted him leave.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), a Member of Service on leave preparatory to retirement shall be precluded from returning to duty, save with the consent of the authority competent to appoint him to the post from which he proceeded on leave preparatory to retirement.

(3) A Member of Service who has taken leave on medical certificate may not return to duty until he has produced a medical certificate of fitness in Form 5.

(4) (a) A Member of Service returning from leave is not entitled, in the absence of specific orders to that effect, to resume as a matter of course the post which he held before going on leave.

(b) Such Member of Service shall report his return to duty to the authority which granted him leave or to the authority, if any, specified in the order granting him the leave.

NOTE.—A Member of Service who had been suffering from Tuberculosis may be allowed to resume duty on the basis of fitness certificate which recommends light work for him.

23. Absence after expiry of leave.—(1) Unless the authority competent to grant leave extends the leave, a Member of Service who remains absent after the end of leave is entitled to no leave salary for the period of such absence and that period shall be debited against his leave account as though it were half pay leave, to the extent such leave is due, the period in excess of such leave due being treated as extraordinary leave.

(2) Willful absence from duty after the expiry of leave renders a Member of Service liable to disciplinary action.

CHAPTER IV

Kinds of Leaves due and admissible

24. Earned Leave : (a) The leave account of every Member of Service shall be credited with earned leave, in advance, in two installments of 15 days each on the first day of January and July of every calendar year.

(b) If a Member of the Service is appointed after the 1st of January of a Year, earned leave shall be credited to his leave account at the rate of $2\frac{1}{2}$ days for each completed month of service which he is likely to render in a half-year of the calendar year in which he is appointed.

Explanation.— If 1st January or 1st July is holiday and a member joins the service on the next working day, he shall be entitled to the full credit of leave.

(c) The credit for the half-year in which a Member of the Service is due to retire or resign from service shall be afforded only at the rate of $2\frac{1}{2}$ days per completed month in the half-year upto the date of retirement or resignation. If the leave already availed of is more than the credit, so due to him, necessary adjustment shall be made in respect of leave salary overdrawn, if any.

(d) The earned leave at the credit of a Member of the Service at the close of a half-year shall be carried forward to the next half-year subject to the condition that the earned leave so carried forward plus the credit for that half-year shall not exceed 300 days for which encashment has been allowed along with leave travel concession while in service or under Rule 56.

Explanation.— In cases where the earned leave at credit on 1st January/1st July is 300 days or less but more than 285 days then an advance credit of 15 days earned leave will be made in the leave account. However, the resultant total will be shown as 300 + the number of days exceeding the ceiling of 300 days in brackets. The leave taken thereafter during the current half-year will be first adjusted against the figure shown in the brackets in the leave account and at the end of the half-year the balance will be shown as 300 + the number of days exceeding 300 days, if any, after adjusting the leave taken. Thus, while arriving at the total earned leave to be again credited at the beginning of the next half-year the number of days shown in bracket shall be deducted from the total number of 15 days earned leave sought to be credited.

(e) When a Member of the Service is removed or dismissed from the service or dies while in service, credit of earned leave shall be allowed at the rate of $2\frac{1}{2}$ days per completed month upto the end of the month preceding the month in which he is removed or dismissed from service or dies in service. Where the quantum of earned leave availed is in excess of the leave, the overpayment of leave salary shall be recovered in such cases.

(f) While affording credit under these rules, fraction

of the day shall be rounded off to the nearest day.

(g) The maximum earned leave granted to a Member of the Service at a time shall be 180 days.

Provided that earned leave granted as preparatory to retirement shall be subject to a maximum of 300 days:

(h) Formal application of leave in Form A or Form B appended with these rules must always be submitted fifteen days in advance, unless prevented by exigencies completely unanticipated.

(i) If a Member of the Service has availed of extraordinary leave and/or some period of absence has been treated as *dies non* in a half-year, the credit to be afforded to his leave account at the commencement of the next half-year shall be reduced by $1/10$ th of the period of such leave and/or *dies non* subject to maximum of 15 days.

25. Half Pay Leave : (a) The half pay leave account of every Member of Service shall be credited with half pay leave in advance, in two installments of ten days each on the first day of January and July of every calendar year.

(b) The leave shall be credited to the said leave account at the rate of $5/3$ days for each completed month of service which he is likely to render in the half-year of the calendar year in which he is appointed.

(c) The credit for the half-year in which a Member of Service is due to retire or resign from the service shall be allowed at the rate of $5/3$ days per completed month up to the date of retirement or resignation.

(d) When a Member of the Service is removed or dismissed from service or dies while in service, credit of half pay leave shall be allowed at the rate of $5/3$ days per completed month upto the end of the month preceding the month in which he is removed or dismissed from service or dies in service.

(e) Where a period of absence or suspension of a Member of Service has been treated as *dies non* in a half-year, the credit to be afforded to his half pay leave account at the commencement of next half-year, shall be reduced by one-eighteenth of the period of *dies non* subject to a maximum of ten days.

(f) The leave under this rule may be granted on medical certificate or on private affairs.

(g) While affording credit of half pay leave, fraction of a day shall be rounded off to the nearest day.

26. Commuted Leave : (a) Commuted Leave not exceeding half the amount of half pay leave due may be granted on medical certificate to a Member of Service subject to the condition that twice the amount of such leave shall be debitable to the half pay leave due.

(b) No commuted leave may be granted under this rule unless the Competent Authority has reason to believe that the Member of the Service will return to duty on its expiry.

Where a Member of the Service who has been granted commuted leave resigns from service or, at his request, is permitted to retire voluntarily without returning to duty, the commuted leave shall be treated as half pay leave and the difference between leave salary in respect of commuted leave and half pay leave shall be recovered:

Provided that no such recovery shall be made if the retirement is by reason of ill-health incapacitating the Member of the Service for further service or in the event of his death.

(c) Half pay leave upto a maximum of 180 days may be allowed to be commuted during the entire service where such leave is utilized for an approved course of study, certified to be in the interest of the Judiciary as an Institution, by the High Court.

Explanation:— (1) Commuted leave may be granted at the request of the Member of Service even when earned leave is due to him.

(2) Commuted leave shall be however granted only on production of medical/fitness certificate from an Authorized Medical practitioner.

27. Leave Not Due (a) Save in case of leave preparatory to retirement, Leave Not Due may be granted to a Member of Service limited to a maximum of 360 days during the entire service on medical certificate. However, in case of a female member, the leave may be granted without medical certificate provided leave should be in continuation of child care leave, maternity leave and adoption leave subject to the following conditions:

- (i) Competent Authority is satisfied that there is reasonable prospect of the Member of Service returning to duty on its expiry;
 - (ii) Leave Not Due shall be limited to the half pay leave he or she is likely to earn thereafter;
 - (iii) Leave Not Due shall be debited against the half pay leaves the Member of the Service may earn subsequently.
- (b)(i) Where a Member of Service who has been granted Leave Not Due resigns from service or at his request is permitted to retire voluntarily without returning to duty, the Leave Not Due shall be cancelled from the date of his resignation or retirement takes effect on which such leave had commenced, and the leave salary shall be recovered.
- (ii) Where a Member of Service who having availed himself of Leave Not Due returns to duty but resigns or retires from service before he has earned such leave, he shall be liable to refund the leave salary to the extent the leave has not been earned subsequently:

Provided that no leave salary shall be recovered under sub-rule (a) or sub-rule (b) if

the retirement is by reason of ill-health incapacitating the Member of Service for further service or in the event of his death.

- (iii) Where a Member of Service is incapacitated during the continuation of the Leave Not Due or at the end of the period of Leave Not Due, he or she shall be considered to have retired from the date of the expiry of such Leave Not Due.

28. Extraordinary Leave: (a) Subject to the maximum period of leaves which can be granted under Rule 10, extraordinary leave may be granted to a Member of the Service in the following circumstances, that is to say—

- (i) when no other kind of leave is admissible, or
- (ii) when any other kind of leave is admissible but the Member of the Service applies in writing for the grant of extraordinary leave.

(b) Competent Authority may retrospectively convert periods of absence without leave into extraordinary leave even when any other kind of leave was admissible at the time when absence without leave commenced;

(c) Extraordinary Leave shall not be debited to the leave account;

(d) Two spells of extraordinary leave, if intervened by any other kind of leave, shall be treated as one continuous spell of extraordinary leave for the purpose of sub-rule (a).

29. Special Disability Leave for injury intentionally inflicted: (1) The authority competent to grant leave may grant special disability leave to a Member of Service (whether permanent or temporary) who is disabled by injury intentionally inflicted or caused in, or in consequence of the due performance of his official duties or in consequence of his official position.

(2) Such leave shall not be granted unless the disability manifested itself within three months of the occurrence to which it is attributed and the person disabled acted with due promptitude in bringing it to notice:

Provided that the authority competent to grant leave may, if it is satisfied as to the cause of the disability, permit leave to be granted in cases where the disability manifested itself more than three months after the occurrence of its cause.

(3) The period of leave granted shall be such as is certified by an Authorized Medical Practitioner and shall in no case exceed 24 months.

(4) Special disability leave may be combined with leave of any other kind.

(5) Special disability leave may be granted more than once if the disability is aggravated or reproduced in similar circumstances at later date, but not more than 24 months of such leave shall be granted in consequence of any one disability.

(6) Special disability leave shall be counted as duty in calculating service for pension and shall not, except the leave granted under the proviso to Clause (b) of sub-rule (7), be debited against the leave account.

(7) Leave salary during such leave shall :—

(a) for the first 120 days of any period of such leave, including a period of such leave granted under sub-rule (5), be equal for leave salary while on earned leave;

(b) for the remaining period of any such leave, be equal to leave salary during half pay leave :

Provided that a Member of Service may, at his option, be allowed leave salary as in sub-rule (a) for a period not exceeding another 120 days, and in the event the period of such leave shall be debited to his half pay leave account.

30. Special disability leave for accidental injury : (1) The provisions of Rule 29 shall apply also to a Member of Service who is disabled by injury accidentally incurred in, or in consequence of, the due performance of his official duties or in consequence of his official position, or by illness incurred in the performance of any particular duty, which has the effect of increasing his liability to illness or injury beyond the ordinary risk attaching to the civil post which he holds.

(2) The grant of special disability leave in such case shall be subject to the further conditions :—

(i) That the disability, if due to disease, must be certified by an Authorized Medical Practitioner to be directly due to the performance of the particular duty;

(ii) that the period of absence recommended by an Authorized Medical Practitioner may be covered in part, by leave under this rule and in part by any other kind of leave, and that the amount of special disability leave granted on leave salary equal to that admissible on earned leave shall not exceed 120 days.

31. Maternity Leave : (a) Maternity leave may be granted to a woman Member of the Service, with less than two surviving children, on full pay up to a period of 180 days from the date of its commencement. During such period, she shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave.

(b) A female Member of the Service (irrespective of the number of surviving children) may be granted maternity leave in cases of miscarriage, including abortion induced under Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 or otherwise, to a maximum period not exceeding 45 days on production of a medical certificate as laid down in Rule 16.

(c) Maternity leave may be combined with the leave of any other kind. Notwithstanding the requirement of production of medical certificate contained in Rule 26 and

Rule 27, leave of any kind due and admissible (including commuted leave for a period of not exceeding 60 days and Leave Not Due) up to a maximum of two year may, if applied, be granted in continuation of maternity leave granted under sub-rule (a).

(d) Maternity leave shall not be debited against the leave account.

32. Paternity Leave : (a) A male Member of the Service with less than two surviving children may be granted paternity leave by the Competent Authority for a period of 15 days during the confinement of his wife for child birth i.e., up to 15 days before, or up to six months from the date of delivery of the child;

(b) During such period of 15 days he shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave;

(c) The paternity leave may be combined with leave of any other kind;

(d) The paternity leave shall not be debited against the leave account;

(e) If paternity leave is not availed of within the period specific in sub-rule (a) such leave shall be treated as lapsed.

33. Child Adoption Leave : (1) A female Member of the Service with less than two surviving children on valid adoption of a child below the age of one year may be granted child adoption leave, by the competent authority for a period of 180 days after the date of valid adoption;

(2) During the period of child adoption leave she shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave;

(3) (a) Child adoption leave may be combined with leave of any other kind;

(b) In continuation of the child adoption leave granted under sub-rule (1), a female Member of the Service on valid adoption of a child may also be granted, if applied for, leave of the kind due and admissible (including leave not due and commuted leave not exceeding 60 days without production of medical certificate) for a period up to one year reduced by the age of the adopted child on the date of valid adoption, without taking into account child adoption leave :

Provided that this facility shall not be admissible in case she is already having two surviving children at the time of adoption.

(4) Child adoption leave shall not be debited against the leave account.

(5) A male Member of Service with less than two surviving children, on valid adoption of a child below the age of one year, may be sanctioned paternity leave for a period of 15 days within a period of six months from the date of valid adoption.

34. Child Care Leave : A female Member of the Service may be granted Child Care Leave having minor children

below the age of 18 years for a maximum period of two years (i.e. 730 days) during her entire tenure of service with the following conditions—

(a) Child Care Leave shall be admissible for two eldest surviving children only.

(b) Child Care Leave may not be granted in more than 3 spells in a calendar year.

(c) Child Care Leave may not be granted for less than 15 days.

(d) Child Care Leave should not ordinarily be granted during the probation period except in case of certain extreme situations where the leave sanctioning authority is fully satisfied about the need of Child Care Leave to the probationer. It may also be ensured that the period for which this leave is sanctioned during probation is minimal.

(e) Child Care Leave cannot be demanded as a matter of right. Under no circumstances a Member of the Service can proceed on Child Care Leave without prior approval of the Competent Authority.

Explanation :

(1) The Child Care Leave is to be treated like earned leave and sanctioned as such. Consequently, Saturdays, Sundays, Gazetted holidays, etc. falling during the period of leave would also count as Child Care Leave as in the case of earned leave.

(2) Clause (d) above shall have no application to the case of a Member of the Service who has joined upon promotion from Delhi Judicial Service.

35. Special Casual Leave : (a) The High Court may grant special casual leaves to Members of the Service for a period not exceeding three weeks in the month of June and not exceeding one week in the month of December every year without prejudice to their right to claim earned leaves under these rules.

(b) Special Casual Leaves shall not be debited to the Leave account of the Member of the Service.

36. Special Sick Leave : (a) Members of the Service may be granted four Special Sick Leaves, in a year, without the production of a medical certificate.

(b) Special Sick Leave shall not be debited to leave account of the Member of the Service.

37. Compensatory Leave : (a) Compensatory leave may be given to the Members of Service where compulsory attendance on Sundays or other public holidays or during vacations justifies the grant of compensatory leave for the number of days a Member of Service is directed to attend the office/court.

(b) No compensatory leave, however, will be admissible to a Member of Service who has been paid honorarium or suitably compensated in terms of money for the days of such compulsory attendance on Sundays or other public holidays or has been on duty leave on such days.

(c) Compensatory leave may be availed within a period of 1 year from the date of its falling due, otherwise the same shall be treated to have lapsed.

38. Leave to probationer, a person on probation : (1) (a) A probationer shall be entitled to leave under these rules if he had held his post substantively otherwise than on probation.

(b) If, for any reason, it is proposed to terminate the services of a probationer, any leave which may be granted to him shall not extend—

(i) beyond the date on which the probationary period as already sanctioned or extended expires, or

(ii) beyond any earlier date on which his services are terminated by the orders of an authority competent to appoint him.

(2) A person appointed to a post on probation shall be entitled to leave under these rules as a temporary or a permanent Member of Service according as his appointment is against a temporary or a permanent post.

Provided that where such person already holds a lien on a permanent post before such appointment, he shall be entitled to leave under these rules as a permanent Member of Service.

39. Persons re-employed after retirement :

In the case of a person re-employed after retirement, the provisions of these rules shall apply as if he had entered government service for the first time on the date of his re-employment.

40. Leave preparatory to retirement:

(1) A Member of Service may be permitted by the authority competent to grant leave to take leave preparatory to retirement to the extent of earned leave due, not exceeding 300 days together with half pay leave due, subject to the condition that such leave extends up to and includes the date of retirement.

NOTE.—The leave granted as leave preparatory to retirement shall not include extraordinary leave.

CHAPTER V

Study Leave

41. Conditions for grant of study leave : (1) Study leave may be granted to a Member of the Service with due regard to the exigencies of judicial service to enable him to undergo in or out of India, a special course of study consisting of higher studies or specialized training in a professional or a technical subject having a direct and close connection with the sphere of his duty;

(2) Study leave may also be granted for a course of training or study tour in which a Member of the Service may not attend a regular academic or semi-academic course if the course of training or the study tour is certified to be

of definite advantage to government from the point of view of public interest and is related to sphere of duties of the Member of Service subject to the conditions that:—

(a) the particular study or study tour should be approved by the authority competent to grant leave; and

(b) the Member of Service should be required to submit, on his return, a full report on the work done by him while on study leave;

(3) Study leave may also be granted for the studies which may not be closely or directly connected with the work of a Member of the Service, but which are capable of widening his mind in a manner likely to improve his abilities as a Judicial Officer;

(4) Study leave out of India shall not be granted for the prosecution of studies in subjects for which adequate facilities exist in India;

(5) Study leave may be granted to a Member of the Service—

(i) who has satisfactorily completed period of probation and has rendered not less than five years' regular continuous service including the period of probation under the government;

(ii) who is not due to reach the age of superannuation from the government service within three years from the date on which he is expected to return to duty after the expiry of the leave; and

(iii) who executes a Bond as laid down in Rule 44(4) undertaking to serve the government for a period of three years after the expiry of the leave;

(6) Study leave shall not be granted to a Member of Service with such frequency as to remove him from contact with his regular work or to cause cadre difficulties owing to his absence on leave;

(7). The High Court shall be the authority competent to grant study leave.

42. Maximum amount of study leave : (1) The maximum amount of study leave, which may be granted to a Member of the Service shall be—

(a) ordinarily twelve months at anyone time, and

(b) during his entire service, twenty-four months in all (inclusive of similar kind of leave for study or training granted under any other rules).

43. Applications for study leave :

(1)(a) Every application for study leave shall be submitted through proper channel to the authority competent to grant leave.

(b) The course or courses of study contemplated by the Member of the Service and any examination which he proposes to undergo shall be clearly specified in such application.

(2) Where it is not possible for the Member of Service to give full details in his application, or if, after leaving India, he is to make any change in the programme which has been approved in India, he shall submit the particulars as soon as possible to the Head of the Mission or the authority competent to grant leave, as the case may be, and shall not, unless prepared to do so at his own risk, commence the course of study or incur any expenses in connection therewith until he receives the approval of the authority competent to grant the study leave for the course.

44. Sanction of study leave:

(1) A report regarding the admissibility of the study leave shall be obtained from the Accounts Officer.

Provided that the study leave, if any, already availed of by the Member of Service shall be included in the report.

(2) Where a Member of Service borne permanently on the cadre of Delhi Higher Judicial Service is serving temporarily in another department or establishment, the grant of study leave to him shall be subject to the condition that the concurrence of the High Court is obtained before the leave is granted.

(3) Where the study leave is granted for prosecution of studies abroad, the Head of the Mission concerned shall be informed of the fact by the authority granting the leave, provided that where such leave has been granted by the Administrator, the intimation shall be sent through the Ministry concerned.

NOTE .—The Head of the Mission shall be contacted by the Member of Service for issue of any letters of introduction or for other similar facilities that may be required.

(4)(a) Every Member of Service who has been granted study leave or extension of such study leave shall be required to execute a Bond in Form 6 or Form 7, as the case may be, before the study leave or extension of such study leave granted to him commences.

(b) The Authority competent to grant leave shall send to the Accounts Officer a certificate to the effect that the Member of Service referred to in Clause (a) has executed the requisite bond.

- (5) (a) On completion of the course of study, the Member of Service shall submit to the authority which granted him the study leave, the certificates of examinations passed or special courses of study undertaken, indicating the date of commencement and termination of the course with the remarks, if any, of the authority in charge of the course of study.
- (b) If the study is undertaken in a country outside India where there is an Indian Mission, the certificates shall be submitted through the Head of the Mission concerned.

45. Accounting of study leave and combination with leave of other kinds:

- (1) Study leave shall not be debited against the leave account of the Member of Service.
- (2) Study leave may be combined with other kinds of leave, but in no case shall be grant of this leave in combination with leave, other than extraordinary leave involve a total absence of more than twenty eight months generally and thirty-six months for the courses leading to Ph.D. degree from the regular duties of the Member of Service.

Explanation:—the limit of twenty eight months/thirty six months of absence prescribed in this sub-rule includes the period of vacation.

- (3) A Member of Service granted study leave in combination with any other kind of leave may, if he so desires, undertake or commence a course of study during any other kind of leave and subject to the other conditions laid down in Rule 48 being satisfied, draw study allowance in respect thereof.

Provided that the period of such leave coinciding with the course of study shall not count as study leave.

46. Regulation of study leave extending beyond course of study:

When the course of study fall short of study leave granted to a Member of Service, he shall resume duty on the conclusion of the course of study, unless the previous sanction of the authority competent to grant leave has been obtained to treat the period of shortfall as ordinary leave.

47. Leave Salary during study leave:

- (1) Except as provided in sub-rule (6), during Study Leave availed of outside India, a Member of Service shall draw Leave Salary equal to the pay that the Member of Service drew while on duty with government immediately before proceeding on such leave and in addition the

Dearness Allowance, House Rent Allowance and Study Allowance as admissible in accordance with the provisions of Rules 48 to 51.

- (2) Except as provided in sub-rule (6), during Study Leave availed of in India, a government servant shall draw Leave Salary equal to the pay that the Member of Service drew while on duty with government immediately before proceeding on such leave and in addition the Dearness Allowance and House Rent Allowance as admissible in accordance with the provisions of Rule 51.
- (3) Payment of leave salary at full rate under Clause (2) shall be subject to furnishing of a certificate by the Member of Service to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or remuneration in respect of any part-time employment.
- (4) The amount, if any, received by a Member of Service during the period of Study leave as scholarship or stipend or remuneration in respect any part-time employment as envisaged in sub-rule (2) of Rule 48, shall be adjusted against the Leave Salary payable under this sub-rule subject to the condition that the Leave Salary shall not be reduced to an amount less than that payable as Leave Salary during half-pay leave.
- (5) No study allowance shall be paid during Study Leave for courses of study in India.
- (6) During the currency of Study Leave within or outside India, a Member of Service shall draw benefits of Revised Pay from the date such revision takes place.

48. Conditions for grant of study allowance.— (1) A study allowance shall be granted to a Member of Service who has been granted study leave for studies outside India for the period spent in prosecuting a definite course of study at a recognized institution or in any definite tour of inspection of any special class of work, as well as for the period covered by any examination at the end of the course of study.

(2) Where a Member of Service has been permitted to receive and retain, in addition to his leave salary, any scholarship or stipend that may be awarded to him from government or non-government sources, or any other remuneration in respect of any part-time employment—

- (a) no study allowance shall be admissible in case the net amount of such scholarship or stipend or remuneration (arrived at by deducting the cost of fees, if any, paid by the Member of Service from the value of the scholarship or stipend or remuneration) exceeds the amount of study allowance otherwise admissible.

- (b) In case the net amount of scholarship or stipend or remuneration is less than the study allowance otherwise admissible, the difference between the value of the net scholarship or stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment and the study allowance may be granted by the authority competent to grant leave.

(3) Study allowance shall not be granted for any period during which a Member of Service interrupts his course of study to suit his own convenience:

Provided that the authority competent to grant leave or the Head of Mission may authorize the grant of Study Allowance for a period not exceeding 14 days at a time during such interruption if it was due to sickness.

(4) Study Allowance shall also be allowed for the entire period of vacation during the course of study subject to the conditions that—

- (a) The Member of Service attends during vacation any special course of study or practical training under the direction of the government or the authority competent to grant leave, as the case may be; or
- (b) In the absence of any such direction, he produces satisfactory evidence before the Head of the Mission or the authority competent to grant leave, as the case may be, that he has continued his studies during the vacation:

Provided that in respect of vacation falling at the end of the course of study, it shall be allowed for a maximum period of 14 days.

(5) The period for which Study Allowance may be granted shall not exceed 24 months in all.

49. Rates of Study Allowance.—The rates of Study Allowance admissible to a Member of Service shall be such as may be especially determined by the High Court in each case.

NOTE.—The rates of Study Allowance shall in no case be lower than the one prescribed by the government in respect of officers of Indian Administrative Service.

50. Procedure for payment of study allowance.—(1) Payment of Study Allowance shall be subject to the furnishing of a certificate by the Member of Service to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment.

(2) Study Allowance shall be paid at the end of every month provisionally subject to an undertaking in writing being obtained from the Member of Service that he would refund to the government any overpayment consequent on his failure to produce the required certificate of attendance or on his failure to satisfy the authority

competent to grant leave about the proper utilization of the time spent for which Study Allowance is claimed.

- (3) (a) In the case of a definite course of study at a recognized institution, the Study Allowance shall be payable by the authority competent to grant leave, if the study leave availed of is in a country where there is no Indian Mission, and by the Head of the Mission in other cases, on claims submitted by the Member of Service from time to time, supported by proper certificates of attendance.

- (b) The certificate of attendance required to be submitted in support of the claims for Study Allowance shall be forwarded at the end of the terms, if the Member of Service is undergoing study in an educational institution, or at intervals not exceeding three months if he is undergoing study at any other institution.

- (4) (a) When the programme of study approved does not include, or does not consist entirely of, such a course of study, the Member of Service shall submit to the authority competent to grant leave direct or through the Head of the Mission a diary showing how his time has been spent and a report indicating fully the nature of the methods and operations which have been studied and including suggestions as to the possibility of adapting such methods or operations to conditions obtaining in India.

- (b) The authority competent to grant leave shall decide whether the diary and report show that the time of the Member of Service was properly utilized and shall determine accordingly for what periods Study Allowance may be granted.

51. Admissibility of allowances in addition to Study Allowance : (1) For the first (180) days of the Study Leave, House Rent Allowance shall be paid at the rates admissible to the Member of Service from time to time at the station from where he proceeded on study leave. The continuance of payment of House Rent Allowance beyond (180) days shall be subject to the production of a certificate as prescribed in Para.8 (d) of Ministry of Finance, O.M. No. 2 (37)-E.II/ (B)/64, dated 27-11-1965, as amended from time to time.

(2) Except for House Rent Allowance as admissible under sub-rule (1) and the Dearness Allowance, City Compensatory Allowance and the Study Allowance, where admissible, no other allowance shall be paid to a Member of Service in respect of the period of study leave granted to him.

52. Travelling Allowance during study leave.—A Member of Service to whom study leave has been granted shall not ordinarily be paid Travelling Allowance but the President may in exceptional circumstances sanction the payment of such allowance.

2534 D9/11-5

53. Cost of fees for study.—A Member of Service to whom study leave has been granted shall ordinarily be required to meet the cost of fees paid for the study but in exceptional cases, the High Court may sanction the grant of such fees:

Provided that in no case shall the cost of fees be paid to a Member of Service who is in receipt of scholarship or stipend from whatever source or who is permitted to receive or retain, in addition to his leave salary, any remuneration in respect of part-time employment.

54. Resignation or retirement after study leave or non-completion of the course of study.—(1) If a Member of Service resigns or retires from service or otherwise quits service without returning to duty after a period of study leave or within a period of three years after such return to duty or fails to complete the course of study and is thus unable to furnish the certificates as required under sub-rule (5) of Rule 44 he shall be required to refund—

- (i) the actual amount of leave salary, Study Allowance, cost of fees, travelling and other expenses, if any, incurred by the Government of India; and
- (ii) the actual amount, if any, of the cost incurred by other agencies such as foreign Government, Foundations and Trusts in connection with the course of study, together with interest thereon at rates for the time being in force on government loans from the date of demand, before his resignation is accepted or permission to retire is granted or his quitting service otherwise:

Provided that except in the case of a Member of Service who fail to complete the course of study nothing in this rule shall apply—

- (a) to a Member of Service who, after return to duty from study leave, is permitted to retire from service on medical grounds; or
 - (b) to a Member of Service who, after return to duty from study leave, is deputed to serve in any Statutory or Autonomous Body or Institution under the control of the government and is subsequently permitted to resign from service under the government with a view to his permanent absorption in the said Statutory or Autonomous body or Institution in the public interest.
- (2) (a) The study leave availed of by such Member of Service shall be converted into regular leave standing at his credit on the date on which the study leave commenced, any regular leave taken in continuation of study leave being suitably adjusted for the purpose and the balance of the period of study leave, if any, which cannot be so converted, treated as extraordinary leave.

- (b) In addition to the amount to be refunded by the Member of Service under sub-rule (1), he shall be required to refund any excess of leave salary actually drawn over the leave salary admissible on conversion of the study leave.

(3) Notwithstanding anything contained in this rule, the President may, if it is necessary or expedient to do so, either in public interest or having regard to the peculiar circumstances of the case or class of cases, by order, waive or reduce the amount required to be refunded under sub-rule (1) by the Member of Service concerned or class of Member of Services.

Chapter VI

Leave Salary and encashment of leave

55. Leave Salary.—(a) A Member of the Service on earned leave is entitled to leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on earned leave.

(b) A Member of the Service on half pay leave or leave not due is entitled to leave salary equal to half the amount specified in sub-rule (a).

(c) A Member of the Service on commuted leave is entitled to leave salary equal to the amount admissible under sub-rule (a).

(d) A Member of the Service on extraordinary leave is not entitled to any leave salary.

(e) A Member of the Service on special disability leave shall be entitled, in respect of the initial period of 120 days, to leave salary in accordance with sub-rule (a).

(f) In respect of special disability leave beyond the initial period of 120 days leave salary equal to the amount specified in sub-rule (a), may be granted at the option of the Member of the Service for a further period limited to the number of days of earned leave due to him in which case the earned leave account shall be debited with half the number of days for which leave salary is granted under this sub-rule.

(g) The leave salary during special disability leave in respect of any period not covered by sub-rules (e) and (f) shall be at the rate specified in sub-rule (b).

(h) In the case of a Member of Service who is granted leave earned by him during the period of re-employment, the leave salary shall be based on the pay drawn by him exclusive of pension and pension equivalent of other retirement benefits.

(i) The leave salary payable under these rules shall be drawn in rupees in India.

56. Leave/Cash payment in lieu of leave beyond the date of retirement, compulsory retirement or quitting of service.—(1) No leave shall be granted to a Member of Service beyond—

- (a) the date of his retirement, or
- (b) the date of his final cessation of duties, or
- (c) the date on which he retires by giving notice to government or he is retired by government by giving him notice or pay and allowances in lieu of such notice, in accordance with the terms and conditions of his service, or
- (d) the date of his resignation from service.

(2)(a) Where a Member of Service retires on attaining the age of superannuation under Rule 26-B of Delhi Higher Judicial Services Rules, the authority competent to grant leave shall *suo motu* issue an order granting cash equivalent of leave salary for earned leave, if any, at the credit of the Member of Service on the date of his retirement, subject to a maximum of 300 days.

- (b) The cash equivalent under Clause (a) shall be calculated as follows and shall be payable in one lump sum as a one-time settlement.

No House Rent Allowance or Compensatory (City) Allowance shall be payable—

Cash equivalent =	Pay admissible on the date of retirement plus dearness allowance admissible on that date	Number of days of unutilized earned leave at credit on the date of retirement subject to the maximum of 300 days
	30	
	×	

(3) The authority competent to grant leave may withhold whole or part of cash equivalent of earned leave in the case of a Member of Service who retires from service on attaining the age of retirement while under suspension or while disciplinary or criminal proceedings are pending against him, if in the view of such authority there is a possibility of some money becoming recoverable from him on conclusion of the proceedings against him. On conclusion of the proceedings, he will become eligible to the amount so withheld after adjustment of government dues, if any.

(4)(a) Where the service of a Member of Service has been extended, in the interest of public service beyond the date of his retirement, he may be granted—

- (i) during the period of extension, any earned leave due in respect of the period of such extension plus the earned leave which was at his credit on the date of his retirement subject to a maximum of 300 days.
- (ii) after expiry of the period of extension, cash equivalent in the manner provided in sub-rule (2) in respect of earned leave at credit on the

date of retirement, plus the earned leave earned during the period of extension, reduced by the earned leave availed of during such period, subject to a maximum of 300 days.

- (b) The cash equivalent payable under sub-clause (ii) of Clause (a) of this sub-rule shall be calculated in the manner indicated in Clause (b) of sub-rule (2) above.

(5) A Member of the Service who retires or is retired from service in the manner mentioned in Clause (c) of sub-rule (1), may be granted *suo motu*, by the authority competent to grant leave, cash equivalent of the leave salary in respect of earned leave at his credit subject to a maximum of 300 days and also in respect of all the half pay leave at his credit, provided this period does not exceed the period between the date on which he so retires or is retired from service and the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent shall be equal to the leave salary as admissible for earned leave and/or equal to the leave salary as admissible for half pay leave plus dearness allowance admissible on the leave salary for the first 300 days at the rates in force on the date the Member of Service so retires or is retired from service. The pension and pension equivalent of other retirement benefits and *ad hoc* relief/graded relief on pension shall be deducted from the leave salary paid for the period of half pay leave, if any, for which the cash equivalent is payable. The amount so calculated shall be paid in one lumpsum as a one-time settlement. No House Rent Allowance or Compensatory (City) Allowance shall be payable:

Provided that if leave salary for the half pay leave component falls short of pension and other pensionary benefits, cash equivalent of half pay leave shall not be granted.

(6)(a)(i) Where the services of a Member of Service are terminated by notice or by payment of pay and allowances in lieu of notice, or otherwise in accordance with the terms and conditions of his appointment, he may be granted, *suo motu*, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date on which he ceases to be in service subject to a maximum of 300 days.

- (ii) If a Member of Service resigns or quits service, he may be granted, *suo motu*, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of cessation of service, to the extent of half of such leave at his credit, subject to a maximum of 150 days.

(iii) A Member of Service, who is re-employed after retirement may, on termination of his re-

employment, be granted, *suo motu*, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of termination of re-employment subject to a maximum of 300 days including the period for which encashment was allowed at the time of retirement.

- (b) The cash equivalent payable under Clause (a) shall be calculated in the manner indicated in Clause (b) of sub-rule (2) and for the purpose of computation of cash equivalent under sub-clause (iii) of Clause (a), the pay on the date of the termination of re-employment shall be the pay fixed in the scale of post of re-employment before adjustment of pension and pension equivalent of other retirement benefits, and the Dearness Allowance appropriate to that pay.

57. Cash equivalent of leave salary in case of death in service

In case a Member of Service dies while in service, the cash equivalent of the leave salary that the deceased employee would have got had he gone on earned leave that would have been due and admissible to him but for the death on the date immediately following the death and in any case, not exceeding leave salary for 300 days, shall be paid to his family in the manner specified in Rule 59 without any reduction on account of pension equivalent of death-cum-retirement gratuity.

58. Cash equivalent of leave salary in case of invalidation from service:

A Member of Service who is declared by a Medical Authority to be completely and permanently incapacitated for further service may be granted, *suo motu*, by the authority competent to grant leave, cash equivalent of leave salary in respect of leave due and admissible, on the date of his invalidation from service, provided that the period of leave for which he is granted cash equivalent does not extend beyond the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent thus payable shall be equal to the leave salary as calculated under sub-rule (5) of Rule 56.

59. Payment of cash equivalent of leave salary in case of death, etc., of Member of Service

In the event of the death of a Member of Service while in service or after retirement or after final cessation of duties but before actual receipt of its cash equivalent of leave salary payable under Rules 56, 57 and 58, such amount shall be payable—

- (i) to the widow, and if there are more widows than one, to the eldest surviving widow if the deceased was a male Member of Service, or to the husband, if the deceased was a female Member of Service;

Explanation—The expression “eldest surviving widow” shall be construed with reference to the seniority according to the date of the marriage of the surviving widows and not with reference to their ages;

- (ii) failing a widow or husband, as the case may be, to the eldest surviving son; or an adopted son;
- (iii) failing (i) and (ii) above, to the eldest surviving unmarried daughter;
- (iv) failing (i) to (iii) above, to the eldest surviving widowed daughter;
- (v) failing (i) to (iv) above, to the father;
- (vi) failing (i) to (v) above, to the mother;
- (vii) failing (i) to (vi) above, to the eldest surviving brother below the age of eighteen years;
- (viii) failing (i) to (vii) above, to the eldest surviving unmarried sister;
- (ix) failing (i) to (viii) above, to the eldest surviving widowed sister;
- (x) failing (i) to (ix) above, to the eldest surviving married daughter; and
- (xi) failing (i) to (x) above, to the eldest child of the eldest predeceased son.

60. Cash equivalent of leave salary in case of permanent absorption in Public Sector Undertaking/ Autonomous Body wholly or substantially owned or controlled by the Central/State Government.—A Member of Service who has been permitted to be absorbed in a service or post in or under a Corporation or Company wholly or substantially owned or controlled by the Central Government or State Government or in or under a body controlled or financed by one or more than one such Government shall be granted *suo motu* by the authority competent to grant leave cash equivalent of leave salary in respect of earned leave at his credit on the date of absorption subject to a maximum of 300 days. This will be calculated in the same manner as indicated in Clause (b) of sub-rule (2) of Rule 56.

61. Advance of leave salary.—A Member of the Service, proceeding on leave for a period not less than thirty days, may be allowed an advance in lieu of leave salary up to a month's pay and allowances admissible on that leave salary subject to deductions on account of Income Tax, Provident Fund, House Rent, Recovery of Advances, etc.

62. Cash equivalent of leave salary at the time of appointment of the Judge of the High Court.—Where a Member of the Service is appointed as the Judge of the High Court, the government shall *suo moto* sanction to him cash equivalent of the salary in accordance with rule 20, as if he had retired from the service a day prior to such appointment.

63. Encashment of earned leaves at the time of availing Leave Travel Concession.—(a) A Member of the Service may be sanctioned encashment of ten days of earned leave out of the total earned leave at his credit while availing leave travel concession if—

- (i) The total earned leave encashed under this rule during the entire service of such member does not exceed sixty days;

Explanation: Equal number of encashment of leaves can also be availed by the spouse, if working.

- (ii) A balance of at least thirty days earned leave remains at the credit of the Member of the Service after availing of the earned leave during leave travel concession.

(b) The amount admissible in case of encashment of earned leave under sub-rule (a) shall be equal to the corresponding leave salary.

Explanation: The encashment of earned leave up to 10 days at the time of availing LTC shall be without any linkage to the number of days and the nature of leave availed while proceeding on LTC.

64. Encashment of Leave During Service

(a) A Member of Service shall be entitled to encash salary equivalent to one month after every two years of his or her service;

(b) The amount payable shall be the leave salary equal to the amount payable for the last month of the two year block period;

(c) The earned leave encashed under this rule shall not be deducted from the total earned leave encashable by a Member of the Service at the time of superannuation, resignation or death, as the case may be.

Chapter-VII

Miscellaneous

65. Relaxation of the provisions of the rules in individual cases.—Where the High Court is satisfied that the operation of any of these rules causes or is likely to cause undue hardship to a Member of the Service, it may, after recording its reasons for so doing and notwithstanding anything contained in any of these rules, deal with the case of such member in such manner as may appear to it to be just and equitable;

Provided that the case shall not be dealt with in any manner less favourable to such member than that prescribed in these rules.

66. Interpretation.—If any question arises as to the interpretation of these rules, the High Court shall decide the same.

67. Residuary matters.—In respect of all such matters regarding leaves for which no provision or insufficient provision has been made in these rules, the All India Service (Leave) Rules, 1955, as amended from time to time or orders

or directions issued and applicable to the officers of comparable status in the Indian Administrative Service serving in connection with the affairs of Union of India shall apply.

FIRST SCHEDULE

[See Rule 4(c)]

AUTHORITIES COMPETENT TO GRANT LEAVE

Sl. No.	Kind of leave	Authority competent to grant leave
(1)	(2)	(3)
1.	Earned Leave, Half Pay Leave, Commuted Leave, Leave not Due, Maternity Leave, Paternity Leave, Child Adoption Leave, Child Care Leave, Casual Leave, Special Casual Leave, Special Sick Leave, Compensatory Leave.	District Judge of the concerned District
2.	Special Disability Leave, Study Leave and Extraordinary Leave	High Court

SECOND SCHEDULE

[See Rule 4 (g)]

FORM I

[See Rule 12]

APPLICATION FOR LEAVE OR FOR EXTENSION OF LEAVE

1. Name of applicant
2. Post held
3. Place of posting.
4. Nature and period of leave applied for and date from which required
5. Sundays and holidays, if any, proposed to be prefixed/suffixed to leave
6. Grounds on which leave is applied for
7. Address during leave period

Signature of Applicant

(with date)

8. Remarks and/or recommendation of the Controlling Officer

Signature (with date)

Designation

CERTIFICATE REGARDING ADMISSIBILITY OF LEAVE

9. Certified that (nature of leave)
for (period) from
to is admissible under Rule
..... of the Delhi Higher Judicial
Services Rules (Leave).

Signature (with date)

Designation

10. Orders of the authority competent to grant leave.
.....

Signature (with date)

Designation

FORM 2

[See Rule 12]

APPLICATION FOR LEAVE OR FOR EXTENSION OF LEAVE WHILE AVAILING LTC

1. Name of applicant
2. Post held
3. Place of Posting
4. Pay
5. Nature and period of leave applied for and date
from which required
6. Sundays and holidays, if any, proposed to be
prefixed/suffixed to leave
7. Grounds on which leave is applied for
8. I propose to avail myself of leave travel
concession for the block years
during the ensuing leave
9. Address during leave period

Signature of Applicant
(with date)

10. Remarks and/or recommendation of the
Controlling Officer

Signature (with date)
Designation

CERTIFICATE REGARDING ADMISSIBILITY OF LEAVE

11. Certified that (nature of leave) for
..... (period) from to
..... is admissible under Rule
..... of the Central Civil Services
(Leave) Rules, 1972.

Signature (with date)

Designation

12. Orders of the authority competent to grant leave

Signature (with date)

Designation

FORM 4

[See Rule 16]

MEDICAL CERTIFICATE FOR MEMBER OF SERVICE RECOMMENDED LEAVE OR EXTENSION OF LEAVE OR COMMUTATION OF LEAVE

Signature of the Member of Service

I, after careful personal examination
of the case hereby certify that Shri/Shrimati/Kumari
..... whose signature is given above, is suffering
from and I consider that a period of absence
from duty of with effect from
is absolutely necessary for the restoration of his/her health.

Dated

Authorized Medical Practitioner

FORM 5

[See Rule 22 (3)]

MEDICAL CERTIFICATE OF FITNESS TO RETURN TO DUTY

Signature of the Member of Service

I, Registered Medical Practitioner
do hereby certify that I have carefully examined Shri/
Shrimati/Kumari whose signature is given
above, and find that he/she has recovered from his/her
illness and is now fit to resume duties in government
service. I also certify that before arriving at this decision, I
have examined the original medical certificate(s) and
[statement(s) of the case (or certified copies thereof) (if
any)] on which leave was granted or extended and have
taken these into consideration in arriving at my decision.

Dated

Authorized Medical Practitioner

NOTE.—The original medical certificate(s) and
statement(s) of the case on which the leave was originally
granted or extended shall be produced before the authority
required to issue the above certificate. For this purpose,
the original certificate(s) and statement(s) of the case
should be prepared in duplicate, one copy being retained
by the Member of Service concerned.

FORM 6

[See Rule 44]

BOND TO BE EXECUTED BY A MEMBER OF SERVICE WHEN

PROCEEDING ON STUDY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT I,
..... resident of in the District of
..... at present employed as
in Delhi Higher Judicial Service do hereby bind myself and

FORM 3

[See Rule 13]

FORM OF LEAVE ACCOUNT

Name of Government Servant Date of Birth Date of Quasi-Permanent/Permanent employment
 Commencement of continuous service Date of retirement/resignation
 Date of commencement of continuous service Date of retirement/resignation

Particular of service in the calendar half-year		Earned Leave										Half Pay Leave									
From	To	Completed months of service in the calendar half-year	E.L. credited at the beginning of half-year	No. of days of E.O.L. Col. 36) availed of during the previous calendar half-year	E.L. to be deducted in (1/10th of the period in Col. 5)	Total E.L. at credit in days (Col. 4+1-6)	Leave Taken			Balance of E.L. on return from leave (Cols. 7-10)	Completed month of service in the half-year of a calendar year	H.P.L. credited at the beginning of half-year	No. of days treated as <i>days non</i> during the previous half-year	H.P.L. to be deducted in (1/18th of the period in Col. 14)	Total H.P.L. at credit in days (Cols. 13 + 35 - 15)	Leave					
							From	To	No. of days							Against the earnings on half pay	From	To	No. of days		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19			

(On Private Affairs and on Medical Certificates including Commuted Leave and Leave Not due)

(On Private Affairs and on Medical Certificates including Commuted Leave and Leave Not due)

Taken															Leave Not Due limited to 360 days in entire service												
Commuted leave on Medical Certificate on full pay			Commuted Leave without M.C. for studies certified to be in public interest (limited to 180 days half pay leave converted into 90 days commuted leave in entire service) Cols. 22 & 25					Commuted leave converted leave (Twice of Cols. 22 & 25)		On Medical Certificate			Otherwise than on Medical Certificates limited to 180 days			Total of Leave Not Due (Cols. 29+32)		Total of Half pay Leave taken (Cols. 19+26+33)		Balance of Half pay Leave on return from leave (Cols. 16+34)		Other kinds of Leave taken					
		No. of days									To		No. of days		From		To										
From	To			From	To			From	To																		
20	21	22		23	24	25		26	27	28	29	30	31	32	33	34	35							36			

Note 1 : The Earned Leave due should be expressed in days

Note 1 : The Earned Leave due should be expressed in days.

Note 2 : When a Government servant is appointed during the course of a particular half-year, E.L. should be credited @2½ days for each completed month and the fraction of a day will be rounded off to the nearest days.

Note 3 : The entries in Col. 11 should be in complete days. Fraction of a day will be rounded off to the nearest day.

Note 4 : The period of extraordinary leave should be noted in red ink.

my heirs, executors and administrators to pay to the President of India (hereinafter called the 'Government') on demand the sum of Rs. (Rs. only) together with interest thereon from the date of demand at government rates for the time being in force on government loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the government.

WHEREAS I, am granted study leave by government.

AND WHEREAS for the better protection of the government I have agreed to execute this Bond with such condition as hereunder is written:

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT in the event of my failing to resume duty, or resignation or retiring from service or otherwise quitting service without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave or failing to complete the course of study or at any time within a period of three years after my return to duty, I shall forthwith pay to the government or as may be directed by the government, on demand the said sum of Rs. (Rupees only) together with interest thereon from the date of demand at government rates for the time being in force on government loans.

AND upon my making such payment, the above-written obligations shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall, where necessary, be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

Signed and dated this day of two thousand and

Signed and delivered by

in the presence of

Witnesses: 1.

2.

ACCEPTED

For and on behalf of the
President of India

FORM 7

[See Rule 44]

BOND TO BE EXECUTED BY A MEMBER OF SERVICE WHEN GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT I,

..... resident of in the District
of at present employed as
in the Delhi Higher Judicial Service do hereby bind myself
and my heirs, executors and administrators to pay to the
President of India (hereinafter called "the Government")
on demand the sum of Rs. (Rupees
..... only) together with interest thereon from
the date of demand at Government rates for the time being
in force on Government loans or, if payment is made in a
country other than India, the equivalent of the said amount
in the currency of that country converted at the official
rate of exchange between that country and India AND
TOGETHER with all costs between attorney and client and
all charges and expenses that shall or may have been
incurred by the Government.

WHEREAS I, was granted study
leave by Government for the period from
to in consideration of which I executed a
Bond, dated for Rs.
(Rupees only) in favour of the President
of India.

AND WHEREAS the extension of study leave has
been granted to me at my request until

AND WHEREAS for the better protection of the
Government I have agreed to execute this Bond with such
conditions as hereunder are written.

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE
WRITTEN OBLIGATION IS THAT in the event of my
failing to resume duty, or resigning or retiring from
service or otherwise quitting service without returning to
duty after the expiry or termination of the period of study
leave so extended or failing to complete the course of study
or any time within a period of three years after my return to
duty, I shall forthwith pay to the Government or as may be
directed by the Government, on demand the said sum of
Rs. (Rupees only) together
with interest thereon from the date of demand at Government
rates for the time being in force on Government loans.

AND upon my making such payment the above-
written obligation shall be void and of no effect, otherwise
it shall be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the
laws of India for the time being in force and the rights and
liabilities hereunder shall, where necessary, be accordingly
determined by the appropriate Courts in India.

Signed and dated this day of
..... two thousand and

Signed and delivered by

in the presence of

Witnesses: 1.

2.

ACCEPTED

for and on behalf of the
President of India

APPENDIX-I

RULES REGARDING GRANT OF CASUAL LEAVE

Casual leave is not a recognized form of leave and is not subject to any rules made by the Member of Service. An official on casual leave is not treated as absent from duty and his pay is not intermitted.

1. Casual leave can be combined with Special Casual Leave but not with any other kind of leave.
 2. It cannot be combined with joining time.
 3. Sundays and Holidays falling during a period of casual leave are not counted as part of casual leave.
 4. Sundays/public holidays/restricted holidays/weekly offs can be prefixed/suffixed to casual leave.
 5. Casual leave can be taken while on tour, but no daily allowance will be admissible for the period.
 6. Casual leave can be taken for half-day also.
 7. Essentially intended for short periods. It should not normally be granted for more than 5 days at anyone time.
 8. LTC can be availed during Casual Leave.
 9. A Member of the Service shall be entitled to 12 Casual Leaves during the calendar year.
 10. Officials joining during the middle of a year may avail casual leave proportionately or the full period at the discretion of the competent authority.
- NOTE—The account of casual leave of all the employees shall be maintained in the Annexed pro forma.

ANNEXURE

Casual Leave account for the year district

Sl. No.	Name	Casual Leave taken on (dates)	Remarks
		1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12	

Half-day Casual Leave:

- (i) A half-day casual leave either for the forenoon session or for the afternoon session may be granted to a Member of the Service on account of some urgent private work.
- (ii) The lunch interval shall be the dividing line i.e. a person who takes half day's casual leave for forenoon session is required to come to office at 2:00 p.m. Similarly if a person takes leave for afternoon session he can be allowed to leave office at 1:30 p.m. (1:30 p.m. to 2:00 p.m. being the lunch time).
- (iii) A half-day's leave may be granted in conjunction with full day's casual leave subject to the maximum number of casual leaves that can normally be granted at a time.

Half-day's casual leave to be debited for late attendance—In order to enforce punctuality and ensure prompt and efficient transaction of work half a day's casual leave should be debited to the casual leave account of a Member of Service for each late attendance but late attendance up to an hour, on not more than two occasions in a month, may be condoned by the Competent Authority.

NOTE: THESE AMENDMENTS SHALL COME INTO FORCE FROM THE DATE OF THEIR PUBLICATION IN THE GAZETTE.

BY ORDER OF THE COURT

V. P. VAISH, Registrar General